mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-133 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

16 मई 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

शशांक सिंह का ...

@ पेज 7

बायकॉट तुर्की को लेकर सियासत तेज, बीजेपी ने कांग्रेस के रुख पर उठाया सवाल

जालंधर (एजेंसी)। , बायकॉट तुर्की को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस के स्टैंड पर सवाल उठाया है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस को घेरा और कहा कि पूरा देश तुर्की के खिलाफ एकजुटता से खड़ा है लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद को भारतीय

● कांग्रेस बोली-सरकार स्थिति स्पष्ट करे

लोगों की व्यापक भावना के साथ भी नहीं जोड़ पा रही है।

दरअसल, अमित मालवीय ने कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया है जिसमें तुर्की के बॉयकॉट से जुड़ा सवाल पत्रकारों के द्वारा पूछा गया था। लेकिन जयराम रमेश और पवन खेड़ा ने कोई भी जवाब देने से इनकार कर दिया। इसी वीडियो को शेयर करते हुए अमित मालवीय ने लिखा-तुर्की और अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान के आतंकी राज्य को दिए जा रहे समर्थन से देश गुस्से में है। इन देशों के साथ व्यापार और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग बढ़ रही है और जनता एकजुटता के साथ खड़ी है। लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद को भारतीय लोगों की व्यापक भावना के साथ भी नहीं जोड़ पा रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि यह जनता से इतनी कटी हुई है। यह अपनी राजनीतिक गुमनामी और पूर्ण अलगाव की हकदार है।% वहीं कांग्रेस का कहना है कि सरकार तुर्की को लेकर स्थिति स्पष्ट करे। क्या सरकार ने तुर्की का दूतावास बंद कर दिया है?

सरकार को अपना स्टैंड क्लियर करे-कांग्रेस

अमित मालवीय के इस पोस्ट पर कांग्रेस के पवन खेड़ा ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने पूछा कि पहले सरकार को अपना स्टैंड क्लियर करना चाहिए। किसी देश के साथ क्या रिश्ते होंगें ये विपक्ष नहीं सरकार तय करता है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर [illegible] और विदेश मंत्री को टैग करते हुए लिखा कि देश के सामने यह स्पष्ट करें कि क्या सरकार ने तुर्की का राजदूतावास बंद कर दिया है, और उस देश से सारे कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्ते तोड़ दिए हैं। किस देश के प्रति क्या रिश्ते रखने हैं, यह निर्णय सरकार को लेना होता है, विपक्ष को नहीं। सरकार तुरंत स्थिति स्पष्ट करे।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उन्होंने [illegible] और विदेश मंत्री को टैग करते हुए लिखा कि देश के सामने यह स्पष्ट करें कि क्या सरकार ने तुर्की का राजदूतावास बंद कर दिया है, और उस देश से सारे कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्ते तोड़ दिए हैं। किस देश के प्रति क्या रिश्ते रखने हैं, यह निर्णय सरकार को लेना होता है, विपक्ष को नहीं। सरकार तुरंत स्थिति स्पष्ट करे।

दरअसल, भारत के लोग तुर्की को उसकी एहसान फरामोशी की सजा दे रहे हैं। भयानक भूकंप के बाद जिस तुर्की की भारत ने मदद की उसने युद्ध में पाकिस्तान का साथ दिया। ड्रोन से लेकर दूसरे हथियार पाकिस्तान को मुहैया कराया। अब उसके खिलाफ भारतीयों ने मोर्चा खोल दिया है। भारत के ट्रैवल एजेंसी अब तुर्की टूर की बुकिंग को कैंसिल कर रहे हैं साथ ही नई बुकिंग भी नहीं ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मैंने सीजफायर नहीं कराया: डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पहली बार माना है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर नहीं कराया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मध्यस्थता नहीं कराई। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान समस्या सुलझाने में मदद की। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच सीजफायर करा दिया है, लेकिन अब वह खुद कह रहे हैं कि मैंनें सीजफायर नहीं कराया लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि मैंने मदद जरूरी की। ट्रंप कई बार भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने का क्रेडिट लेने की कोशिश कर चुके थे। जबकि भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान के [illegible] ने खुद फोन कर सीजफायर की गुजारिश की थी।

कतर के दोहा में एक कार्यक्रम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण हो चुके थे। ड्रोन और मिसाइलों की भाषा में बात होने वाली थी इसीलिए मैंने दोनों देशों से बात कर माहौल शांत करवाया। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेरे यहां से निकलने के बाद भी मैं यहीं सुनूंगा कि दोनों देश शांत हैं।बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों को मार डाला था। भारत ने पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था।

डेथ सेल में नरक भोग रहे इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मौत की अफवाहों के बीच उनके बेटों ने डोनाल्ड ट्रंप से की अपील पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान भ्रष्टाचार के मामले में लंबे समय से जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के अनुसार उन्हें डेथ सेल में रखा गया है और अब उन्हें अपने वकीलों से भी बात करने की अनुमति नहीं है। हाल ही में उनकी मौत की अफवाह भी सामने आई थी। हालांकि, किसी भी विश्वसनीय सूत्र से इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। इस बीच इमरान खान के दोनों बेटों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस मामले में हस्तक्षेप करने और इमरान खान को जेल से बाहर निकालने में मदद करने की अपील की है। फर्स्ट पोस्ट की खबर के अनुसार इमरान खान के बेटे कासिम और सुलेमान खान ने सार्वजनिक रूप से अपील करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और

दुनिया भर के प्रभावशाली लोगों से अपने पिता की रिहाई के लिए आगे आने और समर्थन देने का आग्रह किया है। कासिम और सुलेमान ब्रिटिश नागरिक हैं, दोनों अब तक काफी हद तक सुर्खियों से दूर रहे हैं। पहली बार बोलते हुए, उन्होंने कहा कि सभी कानूनी और कूटनीतिक रास्ते खत्म हो चुके हैं और वह अपनी चुप्पी तोड़ने के लिए मजबूर हैं। सुलेमान ने कहा, ÷हम अब और चुप नहीं रह सकते थे।÷ वहीं, कासिम ने कहा, ÷हमने पहले कभी बात नहीं की, लेकिन जिस स्थिति से वह गुजर रहे हैं, उसे देखते हुए हम चुप नहीं रह सकते।÷ एक इंटरव्यू में दोनों ने कहा कि उनके पिता को झूठे आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया था, और पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷इमरान खान को %डेथ सेल% में रखा गया है। वह पूरी तरह से अकेले हैं।

अलग-थलग पड़े कर्नल सोफिया कुरैशी पर शर्मनाक बयान देने वाले मंत्री विजय शाह

भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर शर्मनाक बयान देने वाले मंत्री विजय शाह अलग-थलग दिखाई पड़ रहे हैं। लग रहा पार्टी और सरकार उनसे किनारा कर रही है। आज वन विभाग की एक मीटिंग में लगे पोस्टर से उनकी तस्वीर हटा दी गई है। कहा जा रहा कि यह पोस्टर वन विभाग के अधिकारियों ने हटाए हैं। जानकारी दे दें कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने हाल ही में एक मंच से कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बता दिया था।दरअसल आज इंदौर में वन विभाग ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था, इसी को लेकर पोस्टर लगाए गए थे, जिस पर से विवादित मंत्री विजय शाह की फोटो पोस्टर से हटा दिए गए और उनकी फोटो की जगह पोस्टर पर पीएम का फोटो लगा दिया गया। जानकारी मिल रही है कि वन विभाग के अधिकारियों ने मंत्री विजय शाह के पोस्टर हटाए। अब यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहा है।इधर भोपाल मंत्री विजय शाह के बयान को लेकर सियासत अभी जारी है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कर्नल सोफिया कुरैशी को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, %मेरे प्रदेश के मंत्री ने आपके बारे में अभद्र भाषा का प्रयोग किया है, उसके लिए मध्य प्रदेश की जनता की तरफ से मैं आपसे माफी मांगता हूं। मंत्री द्वारा किए गए कृत्य से न केवल प्रदेश बल्कि पूरा देश शर्मिंदा है।

दिल्ली में प्रमुख व्यापारी नेताओं ने बुलाई बैठक

तुर्की और अजरबैजान का करेंगे बॉयकॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कल नई दिल्ली में देश के विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की एक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस बुलाई है, जिसमें पाकिस्तान का समर्थन करने के कारण तुर्की एवं अजरबैजान के साथ व्यापारियों द्वारा सभी वस्तुओं का आयात-निर्यात व्यापार बंद किए जाने पर निर्णय लिया जाएगा। कैट का कहना है कि जो भी देश के खिलाफ है, उसके साथ व्यापार करने का कोई सवाल ही नहीं है। देश के व्यापारियों द्वारा अपनी देशभक्ति को प्रदर्शित करने का यही समय है। पूरे देश के साथ व्यापारी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े हैं। कॉन्फ्रेंस में भारत की सेनाओं के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए देश भर में तिरंगा यात्रा का आयोजन एवं ई कॉमर्स कंपनियों द्वारा भारत के व्यापार को हड़पने के खिलाफ भी बड़े निर्णय लिए जाएंगे।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि उपलब्ध जानकारी के मुताबिक व अप्रैल 2024 से लेकर फरवरी 2025 के अप्रैल के बीच भारत का तुर्की से निर्यात 5.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 6.65 अरब अमेरिकी डॉलर था, जबकि इसी अवधि में भारत का तुर्की से आयात 2.84 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2023-24 में 3.78 अरब अमेरिकी डॉलर था। इसी प्रकार इसी अवधि में अजरबैजान को भारत का निर्यात केवल 86.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2023-24 में यह 89.67 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। दूसरी तरफ अजरबैजान से भारत का आयात इसी समय के दौरान केवल 1.93 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2023-24 में 0.74 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि भारत से तुर्की को रिफाइंड पेट्रोलियम, मोटर व्हीकल्स और पार्ट्स, स्टील, कैमिकल्स, दवाएं, कीमती पत्थर और वस्त्र सहित कई प्रमुख वस्तुएं निर्यात होती हैं, जबकि तुर्की से भारत को कच्चा पेट्रोलियम, मशीनरी, मार्बल, गोल्ड, फल, प्लास्टिक और वस्त्र आयात होते हैं।

सारे रूल्स ब्रेक कर पैदल ही आंबेडकर हॉस्टल पहुंचे राहुल गांधी

दरभंगा (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बिहार दौरे पर हैं। उनके दरभंगा दौरे को लेकर बुधवार से ही आयोजकों और प्रशासन के बीच चल रहे तनाव के बाद आज गुरुवार को भी बवाल मचा रहा। राहुल गांधी और उनके समर्थकों को पुलिस ने काफी देर तक रोके रखा। राहुल कुछ देर तो कार्यक्रम स्थल से पहले अपनी गाड़ी में ही बैठे रहे लेकिन, प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के बाद वह अपनी गाड़ी से निकलकर पैदल ही आंबेडकर छात्रावास की ओर चल पड़े। आंबेडकर छात्रावास में छात्रों से बातचीत करने की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद राहुल गांधी परिसर में घुसने में कामयाब रहे और उन्होंने छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, बिहार पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की लेकिन वह मुझे रोक नहीं सकी क्योंकि देश के युवा मेरे साथ हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी पार्टी निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू होने तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने बिहार के दरभंगा में आंबेडकर छात्रावास में कांग्रेस के 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत की।

पाकिस्तान से प्यार दिखाने वाले तुर्की पर एक और स्ट्राइक

सेलेबी कंपनी का सिक्योरिटी लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन सुरक्षा निगरानी संस्था बीसीएएस ने गुरुवार को तुर्की की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दी गई सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया है और पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर भारत के हालिया हमलों की निंदा की है। एक आदेश में, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने कहा कि उसने सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया के लिए सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है, जो तुर्की स्थित सेलेबी का हिस्सा है। सेलेबी की वेबसाइट के अनुसार, यह कंपनी नौ हवाई अड्डों (मुंबई, दिल्ली, कोचीन, कन्नूर, बैंगलोर, हैदराबाद, गोवा, अहमदाबाद और चेन्नई) पर सेवाएं प्रदान करती है।

नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के संयुक्त निदेशक सुनील यादव की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है ÷ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी श्रेणी के तहत सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में सुरक्षा मंजूरी को बीसीएएस के महानिदेशक द्वारा 21 नवंबर, 2022 को मंजूरी दी गई थी। बीसीएएस के महानिदेशक को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के

संबंध में सुरक्षा मंजूरी को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।÷

सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द होने पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा, ÷सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तुर्की की कंपनी है, जो देश के कई एयरपोर्ट पर ग्राउंड सेवाएं देती है। तुर्की ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया था। मौजूदा हालात को देखते हुए यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेलेबी को देश में प्रतिबंधित कर दिया गया है।÷

विदेश मंत्री जयशंकर का बड़ा बयान

पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर बात होगी, तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पाकिस्तान से अगर बात होगी तो सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर बात होगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि दोनों देशों के बीच किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं होगा। दोनों देश द्विपक्षीय स्तर ही मामले को सुलझाएंगे।

दिल्ली में होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वर्षों से दोनों देशों के बीच यह सहमति है कि हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। इसमें बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान को आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ

आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वार्ताएं हैं जो संभव हैं। कश्मीर पर चर्चा के लिए एकमात्र मुद्दा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है, हम उस चर्चा के लिए तैयार हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के साथ जो तनाव के हालात बने उसमें हमें काफी अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिला। हमारे पास संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें जवाबदेह ठहराया गया। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते से जुड़े सवाल पर कहा कि सिंधु जल संधि स्थगित है और यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार के आतंकवाद को नहीं रोकता।

थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर बयान देकर लक्ष्मण रेखा पार की?

जानिए कांग्रेस की टिप्पणियों पर क्या बोले पूर्व केंद्रीय मंत्री

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खुलकर बोले। अब उनके बयान को लेकर पार्टी के अंदरखाने विवाद की खबरें आ रही हैं। ऐसी खबरें हैं कि कांग्रेस पार्टी ने शशि थरूर के बयान को %पार्टी की राय नहीं % बताया। साथ ही कांग्रेस द्वारा कथित तौर पर यह भी कहा गया कि शशि थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार की है। इस संबंध में जब शशि थरूर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि एक भारतीय होने के नाते उन्होंने अपनी बात देश और दुनिया के सामने रखी।

एक भारतीय के तौर पर अपनी बात रखी शशि थरूर ने कहा कि देश एक संघर्ष से गुजर रहा था और ऐसे में एक भारतीय के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि देश एकजुट रहें। मैंने एक भारतीय के रूप में बात की। मैंने कभी किसी और के लिए

बोलने का दिखावा नहीं किया। मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं हूं। मैं सरकार का प्रवक्ता नहीं हूं। मैंने जो कुछ भी कहा है, आप उससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, इसके लिए मुझे व्यक्तिगत रूप से दोषी ठहरा सकते हैं और यह ठीक है। शशि थरूर ने कहा कि मैंने अपना व्यक्तिगत विचार रखा। यह वास्तव में राष्ट्रीय विमर्श एक हिस्सा था। ऐसे समय में जब देश संकट की घड़ी में है तो हमारे लिए हमारे लिए ऐसा कदम उठाना महत्वपूर्ण था, अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व में हमारे दृष्टिकोण को उस तरह से नहीं सुना जा रहा था जिसकी जरूरत थी। लोग मेरे दृष्टिकोण को अस्वीकार करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। शशि थरूर से जब यह पूछा गया कि क्या पार्टी की ओर से उन्हें कोई संदेश मिला, इस पर थरूर ने कहा कि नहीं, पार्टी की तरफ से मुझे कुछ नहीं कहा गया, मैं केवल मीडिया रिपोर्ट देख रहा हूं।

दरअसल, भारत-पाक तनाव के बीच कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक हुई थी। इस बैठक में शशि थरूर भी मौजूद थे। बताया जाता है कि इस दौरान पार्टी ने शशि थरूर के बयान को लक्ष्मण रेखा पार करना बताया था और कहा गया था कि यह उनका निजी बयान है, कांग्रेस पार्टी का नहीं। जब थरूर से इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में मैं मौजूद था लेकिन मेरे सामने ऐसी कोई बात नहीं हुई।

मोहब्बत की जंग पहुंची उपराष्ट्रपति के पास

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा में एक युवक ने अपने कथित गर्लफ्रेंड पर शादी का झांसा देकर 80 लाख रुपये ऐंठने का आरोप लगाया है। मामला कोर्ट के बाद अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पास भी पहुंच गया है। रीवा के रहने वाले विवेक शुक्ला ने अपनी प्रेमिका पर शादी का झांसा देकर 80 लाख रुपये लेकर सगाई किसी और युवक से करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, रीवा के रहने वाले विवेक शुक्ला ने 80 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करा दी। विवेक शुक्ला का दावा है कि प्रेमिका ने शादी का वादा कर उनसे बड़ी रकम ऐंठ ली और फिर किसी और से सगाई कर ली। युवक ने फरवरी में इस मामले की शिकायत अमहिया थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच की, आरोपों को सही पाया और प्रेमिका पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। प्रेमिका ने एफआईआर को हटवाने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहां से भी झटका लगा और अपील खारिज हो गई। मामला फिलहाल रीवा न्यायालय में विचाराधीन है, जहां करोड़ों की मानहानि और नजराने की वापसी की मांग की गई है। अब मोहब्बत की जंग देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पास पहुंच गई है। युवक ने मामले की शिकायत उपराष्ट्रपति के पास भेजी है। विवेक शुक्ला ने बताया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत 18 अप्रैल 2025 को देश के उपराष्ट्रपति को भी भेजी है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने जबलपुर में किया राजस्व अभिलेखागार का अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री एवं जबलपुर के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने गुरूवार को जबलपुर कलेक्टर कार्यालय के नवीनीकृत राजस्व अभिलेखागार का अवलोकन किया। उन्होंने इसे हाईटेक बनाने के लिये कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना के प्रयासों की प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा के साथ राजस्व अभिलेखागार के अवलोकन के दौरान सांसद श्री आशीष दुबे, राज्य सभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्री अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, श्री नीरज सिंह, श्री संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, श्री रत्नेश सोनकर और श्री राजकुमार पटेल भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद स्व.सुखदेव की जयंती पर किया नमन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद स्व. सुखदेव की जयंती पर उन्हें कोटिश- नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि अमर शहीद स्व. सुखदेव का जीवन राष्ट्रसेवा, मातृभूमि के प्रति प्रेम एवं संघर्ष का स्वर्णिम अध्याय है जिसके बिना देश की स्वतंत्रता का इतिहास सदैव अधूरा रहेगा। उन्होंने अमर शहीद के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा कि स्व. सुखदेव जैसे अमर वीरों के त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उनका साहस, राष्ट्रभक्ति और युवाओं को जगाने का प्रयास सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उल्लेखनीय है कि स्व. सुखदेव थापर, भगत सिंह और राजगुरु के साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 23 मार्च 1931 को उन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

मुख्यमंत्री ने प्रथम फील्ड मार्शल स्व. करिअप्पा की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय सेना के प्रथम कमांडर इन चीफ, फील्ड मार्शल स्व. के.एम. करिअप्पा की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर फील्ड मार्शल करिअप्पा के राष्ट्र निर्माण में योगदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत को सशक्त बनाने और सेना की सुदृढ़ता के लिए किए गए उनके प्रयास अविस्मरणीय रहेंगे। देश सेवा के आदर्श के रूप में वे सदैव जवानों के प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और गौरव के लिए स्व. करिअप्पा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरक है। उनके योगदान का सदैव स्मरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर इन चीफ थे, जिन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से कमान संभाली थी।

भोपाल नीति संवाद में मध्यप्रदेश के मंत्री सारंग ने कृषि में त्वरित जलवायु कार्रवाई की दी जोरदार वकालत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन को भारतीय कृषि के लिए एक तात्कालिक और गंभीर संकट बताते हुए, मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को भोपाल में आयोजित क्षेत्रीय नीति संवाद: जलवायु परिवर्तन और इसका कृषि पर प्रभाव विषयक कार्यक्रम में जलवायु चेतना और सामूहिक प्रयासों को गति देने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच का उल्लेख करते हुए कहा, जलवायु की चुनौतियाँ हम सभी के सामने हैं और इसमें हर व्यक्ति की भूमिका है। अब समय है कि हम सभी मिलकर निर्णायक कदम उठाएं।

सस्टेनेबिलिटी मैटर्स द्वारा इंडियागरी और सॉलिडरिदाद के सहयोग से आयोजित इस संवाद में कृषि वैज्ञानिकों, नीति विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और किसानों ने हिस्सा लिया। सभी का उद्देश्य था-जलवायु के अनुकूल कृषि की दिशा में सामूहिक और वैज्ञानिक समाधान खोजने का प्रयास करना।

मंत्री श्री सारंग ने यह भी आश्वस्त किया कि इस तरह के संवादों को राज्य सरकार पूरा समर्थन देगी ताकि व्यावहारिक समाधान सामने आएं। उन्होंने कहा, ऐसे विचार-मंथन अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि इन्हीं से ठोस नीतियाँ और सहयोगी मॉडल तैयार होते हैं।

सॉलिडरिदाद के जनरल मैनेजर डॉ. सुरेश मोटवानी ने जलवायु-संवेदनशील कृषि और बदलते मौसम में अनुकूलन% विषय पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा, सच्ची जलवायु लचीलापन खेत स्तर से शुरू होती है, लेकिन इसके लिए नवाचार और समेकित नीति समर्थन भी जरूरी है। अब कृषि केवल उत्पादन नहीं, बल्कि आजीविका, पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य सुरक्षा की रक्षा का

माध्यम भी है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने जल-गहन खेती की बजाय माइक्रो-इरिगेशन, वॉटर शेड डेवलपमेंट और विकेन्द्रीकृत जल शासन जैसे टिकाऊ उपायों को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक जलवायु विज्ञान को जोड़ने वाली संस्थागत संरचनाओं की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि किसानों की आवाज भी जलवायु योजना में शामिल हो।

सस्टेनेबिलिटी मैटर्स के कार्यकारी निदेशक और ग्रेमैटर्स कम्युनिकेशंस के निदेशक डॉ. नवनीत आनंद ने संवाद को अकादमिक चर्चा से आगे ले जाकर नीति-निर्माण से जोड़ने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा, हमें जलवायु चिंता से जलवायु कार्रवाई की ओर बढ़ना होगा। मध्यप्रदेश में कृषि की गहराई और नवाचार को अपनाने की तत्परता है, जिससे यह राज्य नेतृत्व करने में सक्षम है। यह मंच विज्ञान, मिट्टी, नीति और स्थिरता को एक सूत्र में जोड़ने का प्रयास है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल के जलवायु परिवर्तन अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष डॉ. भास्कर सिन्हा ने विधायकों को जागरूक करने और केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं के प्रमाची मूल्यांकन के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र की आवश्यकता बताई।

संवाद के दौरान दो प्रमुख पैनल चर्चाएँ आयोजित की गई, जिनमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सहित अनेक प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया।

प्रथम त्रैमास की बजट राशि का उपयोग समय-सीमा में करें-राज्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग को प्रथम त्रैमास में मिली बजट राशि का उपयोग समय-सीमा में करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिस मद में राशि खर्च की जाना है, उसी में नियमानुसार खर्च करें। किसी भी हालत में बजट राशि लैप्स न हो। प्रथम त्रैमास की राशि 30 जून तक खर्च कर ली जाए। राज्यमंत्री श्री जायसवाल मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक ले रहे थे।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि कौशल तकनीकी विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा की विभागीय योजनाओं का भौतिक लक्ष्य भी समय - सीमा में पूरा करें। उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली, साथ ही विभागीय उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि शासन के निर्देशों पर तत्परता से कार्यवाही हो। हाथकरघा के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों को चिंहित कर रोजगार से जोड़ें। उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करें। केंद्र सरकार का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि विभागीय योजनाओं का 30 सितंबर के पहले नवीनीकरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य पर मिलेगा पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार दो श्रेणी में प्रदान किये जायेंगे। इस संबंध में म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि एक पुरस्कार जल गंगा संवर्धन अभियान में समग्र रूप से उत्कष्ट कार्य पर और दूसरा मनरेगा अन-?तर्गत खेत-तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर दिया जाएगा। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने पर पुरस्कार प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी में दिया जाएगा। विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देश पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिले के कलेक्टर को क्रमश- 1 लाख 50 हजार रुपये, 1 लाख 25 लाख रुपये और 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्?कार क्रमश- 1 लाख, 75 हजार और 50 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी। जबकि, जिले के अमले के लिए क्रमश- 6 लाख, 4 लाख 50 हजार और 3 लाख रुपये की पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी।

जिले के अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय समिति द्वारा चयन किया जाएगा। इसके साथ ही यदि अभियान के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिला, जनपद, पंचायत में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों का स्थानांतरण हो जाता है तो उन्हें पदस्थापना की कार्य अवधि के समानुपात में पुरस्कार की राशि प्रदान की जाएगी। जिन नवगठित जिलों में जिला पंचायत गठित नहीं है उन जिलों के कलेक्टरों को संयुक्त रूप से उनकी जनपदों के प्रदर्शन के आधार पर समानुपातिक रूप से पुरस्कार दी जाएगी। जल गंगा संवर्धन अभियान की अवधि पूर्ण होने पर मनरेगा डेशबोर्ड/पोर्टल/छ्वत्र्र स्त्रड्डह्यद्धड्डश्वड्डह्स्र पर निर्धारित मापदंडों के अनुसार जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों की रैंक के आधार पर उपरोक्त श्रेणियों का चयन किया जाएगा। इसका सत्यापन राज्य स्तर पर किया जाएगा।

प्रदेश में शिक्षकों की समस्या के निराकरण के लिये 19 मई से लगेंगे शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश में ग्रीष्मकालीन अवकाश की समाप्ति तक की अवधि में संभाग और जिला स्तर पर समस्याओं के निराकरण के लिये 19 मई से शिविर लगाने का फैसला किया है। शिविर में किये जाने वाले कार्यों के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये हैं।

शिविर में क्रमोन्नति वेतनमान, समयमान वेतनमान, वेतन वृद्धि, सेवा अभिलेखों के अपडेटेशन पर विशेष कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही आगामी 3 वर्षों में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के वेतन निर्धारण का कोष एवं लेखा द्वारा परीक्षण किया जाकर वसूली योग्य प्रकरणों में सेवा से पूर्व वसूली का निर्धारण किया जायेगा। शिविर में पेंशन और अन्य लम्बित स्वतत्वों का निराकरण, अन्य लम्बित अभ्यावेदनों का निराकरण किया जायेगा। जिला और संभागीय कार्यालयों को 30 मई तक समय-सारणी का निर्धारण संबंधित संयुक्त संचालक के मार्गदर्शन में किये जाने के लिये कहा गया है।

समय-सारणी की सूचना लोक शिक्षण संचालनालय को दिये जाने के लिये कहा गया है।

शिविरों में होने वाली प्रतिदिन की कार्यवाही की 5 जून तक प्रति कार्य-दिवस वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भोपाल से समीक्षा की जायेगी। प्रकरणों पर निराकरण नहीं होने पर लम्बित आवेदन और न्यायालयीन प्रकरण निर्मित होने पर संबंधित संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार होंगे। लम्बित प्रकरणों के संबंध में आवेदक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और संयुक्त जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भविष्य की दृष्टि से खेल अधोसंरचना विकास के कार्य करने का प्लान तैयार करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्लान तैयार कर कार्यों को स्वीकृत कराया जाये जिससे जल्द से जल्द से कार्य शुरू हो और भविष्य में खिलाड़ियों को इसका लाभ मिले। मंत्री श्री सारंग बुधवार को तात्या टोपे खेल स्टेडियम खेल एवं युवा कल्याण विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने खेल अधोसंरचना विकास की दृष्टि से सिविल विंग बनाने को भी कहा, जिससे इन्फ्रास्टेक्चर का रख-रखाव हो सके। मंत्री श्री सारंग पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देने के लिये इसका आयोजन करवाने को कहा। उन्होंने विकासखंड स्तर पर भी पारम्परिक खेलों पर ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने समर कैम्प का समापन होने के पहले खिलाड़ियों की स्पर्धा भी कराई जाए। जिससे खिलाड़ियों का हुनर सामने आये। साथ ही उन्होंने खेलों एमपी यूथ गेम्स के लिये आवश्यक तैयारी अभी से करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इसके लिये समय तालिका निर्धारित करें। इस संबंध में कमेटी की मीटिंग भी करें। मंत्री श्री सारंग ने पार्थ योजना के 9 स्थान भोपाल, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, सागर, रीवा, मुरैना, शहडोल और जबलपुर के अधिकारियों से चर्चा की और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी हासिल की।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने ई-प्रवेश प्रक्रिया ब्रोशर का किया विमोचन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया संबंधी ई-प्रवेश प्रकिया ब्रोशर का विमोचन किया। इसके अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानें में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई 2025 से प्रारम्भ होगी तथा 4 जुलाई तक संचालित की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया में तीन चरण होंगे जिसमें दो केंद्रीकृत चरण तथा एक सीएलसी चरण होगा।

इस सत्र से ई-प्रवेश मोबाइल एप विकसित किया गया है जिसमें विद्यार्थी को पंजीयन में आसानी होगी वह जहाँ है वही से पंजीयन कर सकता है। ऐसे विद्यार्थी जो घर से पंजीयन नहीं कर पा रहे हैं वो शासकीय महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर पंजीयन कर सकते हैं। निकटतम शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक वि?द्यालय में भी सहायता केन्द्र बनाया जा रहा है।

प्रवेश पंजीयन के लिये विद्यार्थी ई-प्रवेश मोबाइल ऐप एवं प्रवेश पोर्टल के

माध्यम से पंजीयन कर सकेंगे। प्रवेश के लिए सामान्य पाठ्यक्रमों एवं एनसीटीई के लिए पृथक पोर्टल को समाप्त कर केवल एक ही पोर्टल किया गया है।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में पंजीयन शुल्क 250 रूपये था सामान्य पाठ्यक्रमों में 150 रूपये पंजीयन शुल्क एवं 50 रूपये पोर्टल शुल्क इस तरह से 200 रूपये था। दोनों पाठ्यक्रमों में पंजीयन शुल्क घटाकर 100 रुपये किया गया है।

प्रथम चरण में छात्राओं से कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा। पूर्व में पोर्टल शुल्क 50 रुपये था छात्राओं के लिए कोई पोर्टल शुल्क नहीं लिया जाता था।

एक बेटी का कन्यादान यज्ञ के समान होता है, जैसीनगर में तो महायज्ञ हो गया है : खाद्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द्र सिंह राजपूत ने कहा जाता है कि एक बेटी का कन्यादान अगर कोई कर दे तो उसे यज्ञ का पुण्य मिलता है। जैसीनगर में बुधवार को आयोजित कन्यादान योजना में 600 से अधिक बेटियां हैं, जिनका कन्यादान हम ले रहे हैं, जो कि महायज्ञ के समान है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से बेटियों के पिता की चिंताएं दूर हुई हैं, इस योजना ने बेटियों के पिता के माथे का पसीना पोंछने का काम किया है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना एवं शादी समारोह एक महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री राजपूत ने यह बात सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह समारोह में व्यक्त किये। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जैसीनगर में यह शादी समारोह एक महापर्व की तरह मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले बेटियां बोझ समझी जाती थीं, लेकिन राज्य सरकार अब बेटियों के जन्म से लेकर शादी तक पूरा खर्च वहन करती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के महिला सशक्तिकरण के लिए किये जा रहे लगातार प्रयासों से हमारी बेटियां वरदान बन गई हैं। मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत तथा मंच पर सभी अतिथियों ने वैवाहिक जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर मंगलकामनाओं के साथ उन्हें विवाह की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत और उनकी पत्नी श्रीमती सविता सिंह राजपूत ने नृत्य किया एवं वर-वधू को आशीर्वाद दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरा सिंह राजपूत एवं श्री आकाश सिंह राजपूत ने भी बुंदेली गीतों पर जमकर नृत्य किया। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि मध्यप्रदेश में बेटियों बहनों को अनेक योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले जहां एक बेटी का कन्यादान करने में परिवार कई परेशानियों से गुजरता था। आज सरकार के माध्यम से एक साथ इतनी बेटियों का कन्यादान करने का हम सब को सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

मंत्री श्री राजपूत द्वारा अपने क्षेत्र के लिए किये जाने वाले कार्य हमेशा से ही सुर्खियों में रहे हैं। इस कन्यादान में उनके द्वारा की गई व्यवस्थाएं प्रशंसनीय हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के माध्यम से जहां सभी वर्गों का कन्यादान किया जाकर परिजनों की चिंताएं भी दूर की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा बेटियों की शादी में 49000 की राशि उनके खाते में हस्तांतरित कर रही है।

जनप्रतिनिधियों के नाम का उपयोग कर शासकीय प्रतिष्ठानों का अनुचित उपयोग दंडनीय-राज्य मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने देवास में उनके नाम का दुरुपयोग कर शासकीय सर्किट हाउस में रुकने के प्रयास तथा हंगामा करने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा जनप्रतिनिधियों के नाम का उपयोग कर शासकीय प्रतिष्ठानों का अनुचित लाभ लेना, समाज में भ्रम फैलाना और शांति भंग करना निंदनीय और दंडनीय अपराध है।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने प्रशासन को यह भी निर्देशित किया है कि किसी भी जनप्रतिनिधि से जुड़ी सूचना प्राप्त होने पर उसकी पुष्टि केवल अधिकृत एवं आधिकारिक माध्यम से ही की जाए। इससे न केवल भ्रम की स्थिति से बचा जा सकेगा, बल्कि ऐसे असामाजिक तत्व प्रशासन को गुमराह कर शासकीय संसाधनों का दुरुपयोग भी नहीं कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि दिनांक 13 मई 2025 की रात्रि को तीन युवक—देवेन्द्र पटेल, मनोज कुमार पटेल एवं हरी मोहन पटेल ने मंत्री के नाम की धौंस देकर सर्किट हाउस, देवास में रुकने की जबरन कोशिश की। युवकों ने शराब के नशे में अभद्र भाषा का उपयोग कर शांति व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न किया। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने शांति भंग करते हुए खुद को मंत्री का आदमी बताकर दबाव बनाने की कोशिश की।

राज्य मंत्री श्री पटेल ने उक्त मामले में प्रशासनिक सजगता की सराहना की है और संबंधित व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। थाना नाहर दरवाजा पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को अनुविभागीय अधिकारी देवास के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

स्व सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिये बायर-सेलर मीट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिये बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने के लिये नित नये प्रयास किये जा रहे हैं। इसके तहत दो दिवसीय बायर-सेलर मीट का आयोजन 16 मई को भोपाल में अरेरा हिल्स स्थित विकास भवन के सभागार में किया जायेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रात: 11 बजे दो दिवसीय बायर-सेलर मीट का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों सहित क्रेता एवं समूहों की दीदियां उपस्थित रहेंगी। विभिन्न जिलों से आ रही समूहों की दीदियों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों का प्रदर्शन करते हुये क्रेताओं को उत्पादों की विशेषताएँ बताई जायेंगी। क्रेता उत्पाद खरीदने का ऑर्डर सीधे समूहों को देंगे।

क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के माध्यम से समूहों के उत्पादों को देखने तथा उनकी विशेषताएँ जानने का अवसर क्रेताओं को मिलता है। दीदियां इन दो दिनों में अपने उत्पाद क्रेताओं को दिखायें, उत्पादों की विशेषताएँ बतायें तथा क्रेता-विक्रेता के बीच अनुबंध कर अपने व्यवसाय को बढ़ाने का प्रयास करें।

डिजिटल इंडिया फॉम में आरटीओ विभाग की वसूली पेमेंट

दिवाकर सिंह के खाते में राशि जमा कर सड़कों पर बिना रोक टोक दौड़ा सकते हैं वाहन

शुरू हुआ आरटीओ का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन सिस्टम, चंदा पर्ची में भी कैश पेमेंट देने से बच सकते हैं वाहन मालिक

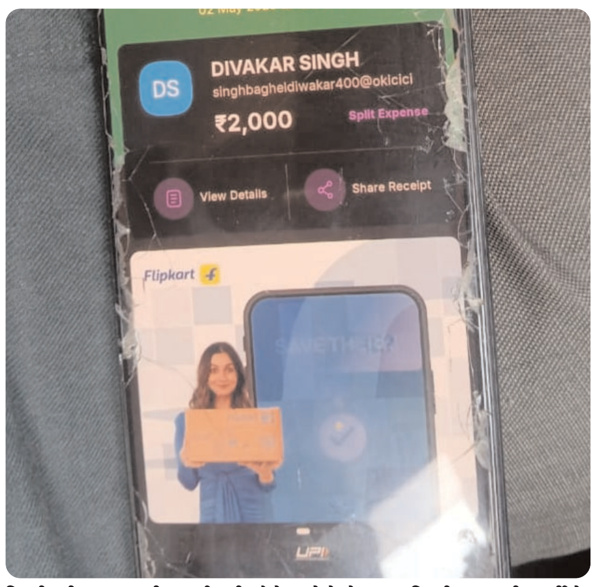

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैशलेश इंडिया बनाने के लिए तमाम जतन किए परन्तु आज भी कई स्थान ऐसे रह गए हैं जहां पर बिना कैश आपका बना बनाया काम रुक सकता है इसमें सबसे बड़ी रकम है रिश्वत की रकम जिसे ऑनलाइन यानी डिजिटली अपने खाते में राशि लेने से कोई भी सरकारी कर्मी खुद को बचाता ही रहता है फिर चाहे रकम न मिलने के चक्कर में इंसान के जरूरी काम को रोकना ही न पड़ जाए परंतु रीवा के आरटीओ यानी परिवहन विभाग में ऐसा नहीं है क्योंकि वहां के अधिकारियों ने अवैध वसूली या यूं कहे दलाली वाले रिश्वत की रकम के लिए नया जुगाड़ फिट कर लिया जिससे किसी भी वाहन मालिक का काम भी आसानी से हो जाता है और डिजिटल माध्यम से अन्य व्यक्ति के जरिए सरकारी कर्मियों को उनकी रिश्वत और अवैध वसूली की रकम भी पहुंच जाती है और इसी डिजिटलाइजेशन के चलते आरटीओ यानी परिवहन विभाग ने प्रायवेट व्यक्ति की नियुक्ति भी कर रखी है जो अपने निजी खाते में अवैध कमाई की राशि लेकर उसे कैश के माध्यम से सरकारी कर्मियों तक पहुंचा सके।

दरअसल आरटीओ विभाग का परिवहन स्क्वायड वाहन जिसे उड़नदस्ता भी कहा जाता है को सड़कों पर दौड़ाने का काम किया जा रहा है जो वाहन विभाग के लिए अवैध कमाई का जरिया बना हुआ है तथा वाहनों पर बिना किसी कार्यवाही के बस दादागिरी के दम पर चंदे की राशि का वसूलीकरण करता है मगर यहां भी कभी कभार कैश पेमेंट न होने की दिक्कतें आने लगती हैं जिससे वाहन मालिक अपना बचाव कर लेते हैं इसकी खातिर विभाग ने नए निजी कर्मचारी की नियुक्ति ही कर ली जो आरटीओ के उड़नदस्ता वाहन में बैठकर महज ऑनलाइन यानी डिजिटली माध्यम से आने वाली पेमेंट का हिसाब करते हैं और करें भी क्यों न क्योंकि वह डिजिटली राशि का भुगतान कोई भी वाहन मालिक उन्हीं साहब के खाते में करता है

बताया जा रहा है कि दिवाकर सिंह नाम के एक निजी कर्मचारी को आरटीओ विभाग ने नियुक्त किया है जो उड़नदस्ता वाहन में बैठकर किसी भी प्रकार की कार्यवाही होने वाले वाहनों के मालिक से डिजीटली राशि का भुगतान अपने खाते में कराते हैं। जानकारी के मुताबिक दिवाकर सिंह नाम के प्रायवेट कर्मचारी को उड़नदस्ता वाहन की खातिर ही नियुक्त किया गया है क्योंकि उड़नदस्ता वाहन के मालिक किसी भी तरह के रकम को अपने खाते में नहीं ले सकते वह इसलिए क्योंकि वहां मिलने वाली राशि का कोई सरकारी हिसाब नहीं होता है ऐसे में अगर किसी सरकारी कर्मी के खाते में अवैध वसूली की राशि गई तो उन्हें लेने के देने पड़ सकते हैं।

आपको बता दें आरटीओ के उड़नदस्ता वाहन के द्वारा जिले भर में दौड़ रही हैवी वाहनों से एंट्री के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है जिसका सरकारी राजस्व से कोई लेना देना नहीं होता है ऐसे में वहां मिलने वाली राशि प्रायवेट व्यक्तियों के माध्यम से अफसरों तक पहुंचाई जाती है।

भारतीय सिंधु सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

राजेश राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष माया महामंत्री मनोनीत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधु सभा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक विगत दिवस सिन्धु महल उदयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भगतराम छाबड़ा जी की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में समाज से जुड़ाव पर विशेष जोर दिया गया बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भगतराम जी ने कहा सिंध के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करना संगठन की इकाइयों का विस्तार करना और वरिष्ठजनों से संपर्क बनाए रखना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है सदस्यता अभियान के जरिए समाज के सभी वर्गों से जुड़ाव बढ़ाया जा रहा है उन्होंने कहा हमें गर्व होना चाहिए कि हम राष्ट्रीय विचार वाला संगठन के सदस्य हैं इसलिए समाज में नेतृत्व खड़ा करना जरूरी है। राष्ट्रीय महामंत्री राजेश वाधवानी जी ने बताया कि संगठन 29 मार्च 1979 से लगातार 46 वर्षों से समाज के हर वर्ग के साथ जुड़ा है सिंधी मातृभाषा संस्कृति और सभ्यता से युवाओ को जोड़ने का प्रयास जारी है।

उकताशय की जानकारी देते हुए सतना शाखा महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कि राष्ट्रीय बैठक में कई विषयो पर गंभीरता से विचार विमर्श किया गया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेश वाधवानी जी को राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष मायाबेन कोडनानी को राष्ट्रीय महामंत्री एवं कमलेश उदासी जी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया गया।

राष्ट्रीय बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री गुलाब ठाकुर महामंत्री श्री महेश ठारवानी प्रमुख रूप से शामिल रहे। राजेश वाधवानीजी को कार्यवाहक अध्यक्ष माया कोडनानी जी को महामंत्री एवं कमलेश उदासी जी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत होने पर प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा संभाग प्रभारी विक्रम चौधरी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी विजय जगयासी मनोहर आरतनी संरक्षक श्रीचंद मनवानी गोपी गेलानी अध्यक्ष अशोक चांदवानी विनोद गेलानी देवेन्द्र सत्यवानी चंद्रकांत वाधवानी कन्हैया लाल पोहानी अशोक वाधवानी डाक्टर होतचंदानी ज्ञान खटवानी पहलाजराय भावनानी मनोहर डिगवानी अशोक आहूजा राजकुमार रोचलानी महेश रावलानी इंद्रलाल कापड़ी रंजीत सेनानी सुरेश बाशानी जेठानंद वाधवानी मनीष टेकवानी घनश्याम मघरानी संजय आहूजा राजेश कोटवानी कालू पुरसंवानी नारायणदास गुलाबी राखी होतचंदानी सिमरन होतचंदानी रेशमा दूसे जा विकास सुखेजा जैकी छाबड़िया पहलाज राय चेतवानी जीतू साबनानी संजय वाधवानी दिलीप सोनी भानु हासवानी राजकुमार बजाज दिलीप आहूजा संदीप तोलवानी मनोज नोतानी हीरा सोनी किशोर वलेजा भरत कामदार गंगाराम सचदेव ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कम प्रगति पर जन शिक्षक और उपयंत्रियों का रोका जायेगा वेतन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार डीपीसी रीवा व मऊगंज द्वारा समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें नामांकन, पुस्तक वितरण, शाला भवन की रंगाई पुताई एवं माइनर रिपेयरिंग तथा शालाओं के शौचालय मरम्मत तथा क्रियाशील हेतु सख्त निर्देश दिये गए है। समीक्षा बैठक में जिले के एपीसी, सहायक यंत्री तथा विकासखंड स्तर के बीआरसीसी, बीएसी एवं जन शिक्षक तथा उपयंत्री उपस्थित रहे। बताया गया है कि बैठक में पुस्तक वितरण, नामांकन, सीएम हेल्पलाइन, भवन मरम्मत, शौचालय मरम्मत की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गयी। सभी संबंधितों से नियमित प्रस्ताव लिया गया साथ ही निम्न प्रगति वाले जन शिक्षक, उपयंत्रियों के वेतन रोके जाने जी कार्यवाही की गयी।

महिला एवं बाल विकास विभाग में वाहनों की आवश्यकता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग अन्तर्गत आईसीडीएस खेल एवं बाल विकास परियोजनाओं में किराये के वाहनों की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने सीधी विधानसभा को दी 112.86 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने लाडली बहना योजना की 1551.89 करोड़ की राशि की जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी में आयोजित विशाल आमसभा में लाड़ली बहना योजना की 24वीं किस्त के रूप में 1 करोड़ 27 लाख हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक से 1551.89 करोड़ रूपये की राशि जारी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में नारियों के सम्मान की प्राचीन काल से परम्परा है लाड़ली बहना योजना हमारी बहनों को हर महीने रक्षाबंधन मनाने का अवसर देती है। हमने चुनाव के समय जो बादा बहनो से किया था उसे लगातार निभा रहें है। हम भगवान राम की संस्कृति को मानने वाले हैं जो वचन देते हैं उसे प्राण देकर भी निभाते हैं। लाड़ली बहना को सम्मान देकर पूरा प्रदेश गौरवान्वित होता है। समारोह मे मुख्यमंत्री ने सीधी विधानसभा क्षेत्र में 112 करोड़ 86 लाख 91 हजार रूपये के 84 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा योजना के 56 लाख 83 हजार हितग्राहियों को 341 करोड़ की पेंशन की राशि जारी की। मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना के 26 लाख हितग्राहियों को गैस रिफिल अनुदान के रूप में 30 करोड़ 83 लाख रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी की। मुख्यमंत्री ने पुष्प वर्षा करके लाड़ली बहना हितग्राहियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने देश को भारत माता और धरती को भी माता कहते हैं हमारे देवताओं के नाम के आगे देवीओं के नाम रख कर गौरव दिया जाता है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है, शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को विकास के पूरे अवसर दिये जा रहें है। अबतक लाड़ली बहना योजना से महिलाओं को 28 हजार करोड़ रूपये दिये जा चुके हैं। किसानों से हमने 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेंहू खरीदा तथा किसानों को किसान सम्मान निधि प्रदान कर रहें हैं। 2003 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 11200 रूपये थी जो 1 लाख 52 हजार रूपये हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपरेशन सिन्दूर में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश ने बता दिया कि सिन्दूर का महत्व क्या होता है। हमारी सेना के परा₹ म से पाकिस्तान की 4 दिन में ही कमर टूट गई। विन्ध्य के दो सपूतो थल सेना अध्यक्ष और जल सेना अध्यक्ष के साहस और परा₹ म ने विन्ध्य ही नहीं पूरे देश का मान बढ़ाया है। इन पर हमें गर्व है। आंतकवादियों ने कश्मीर पर असहाय पर्यटकों की हत्या की उन्हे हमने सही सबक सिखाया। हमें जो छेडता है हम उसे छोडते नहीं है। आपरेशन सिन्दूर की सफ्लता को प्रदेशभर में तिरंगा यात्रा निकाल कर सम्मान दिया जा रहा है।

समारोह में सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी का विन्ध्य से गहरा नाता है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में लोकसभा की सभी सीटों पर हमने जीत हासिल की। समारोह में विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने सीधी विधानसभा क्षेत्र को 112 करोड़ रूपये के निर्माण कार्यों की सौगात देकर इसके विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री जी के आर्शिवाद से सीधी का चौमुखी विकास होगा। विधायक सीधी ने जिला अस्पताल को एक हजार बेड का बनाने, डॉक्टरो की पदस्थापना, इन्जीनियरिंग तथा एग्रीकल्चर कॉलेज खोलने एवं सीधी में सीवरेज लाइन और स्पोर्ट कॉम्पलेक्स निर्माण की मांग रखी। उन्होने सेमरिया को नगर परिषद बनाने सीधी में रिंग रोड निर्माण, गौ अभ्यरण बनाने, सेमरिया तहसील भवन निर्माण तथा गोपालदास बाध रेस्टहाउस को रिसार्ट बनाने की मांग रखी।

सीधी पहुंचने पर मुख्यमंत्री जी का परम्परागत आदिवासी शैला एवं कर्मा लोकनृत्य से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागो की प्रदर्शनी का अवलोकन कर स्वयं लड्डू खरीदकर खाये। मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन करके बेटियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने बोर्ड परीक्षा में मैरिट सूची मे आने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। समारोह में प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल, विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती काजल वर्मा, पूर्व विधायक चुरहट श्री शरदेन्दु तिवारी, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री देव कुमार सिंह चौहान, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री राजेश पाण्डेय, श्री के.के. पाण्डेय, श्री सुभाष सिंह, श्री इन्द्रशरण सिंह तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और हजारो आमजन उपस्थित रहें। समारोह में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

अमर ज्योति ने करवाया 842वां नेत्रदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना वरिष्ठ समाजसेवी एवं अमर ज्योति के सक्रिय सदस्य दीपक चुगवानी के पूज्य पिताश्री मोहन लाल चुगवानी जी का स्वर्गवास हो गया निधन उपरांत अमर ज्योति परिवार के सदस्य डॉ. प्रकाश सिंह,संजय आहूजा घनश्याम मंघनानी अजय सुखरामनी,हीरा सोनी जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर परिवार ने पूज्य पिताश्री का नेत्रदान करवाने का निर्णय लिया सतगुरु की तकनीकी टीम द्वारा नेत्रदान कराया गया

अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा निश्चित रूप से मोहनलाल जी के इस नेत्रदान से दो अंधकारमय जीवन रोशन होंगे नेत्र प्राप्त करने वाले नेत्रहीन आजीवन परिवार को दुवाए देंगे

अमर ज्योति के सदस्य विनोद गेलानी ने बताया संस्था द्वारा यह 842 वां नेत्रदान करवाया इसके पूर्व 841नेत्रदान हो चुके हैं

समिति के मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार,संयोजक मनोहर डिगवानी,कमल पुरस्वानी,मनोज अरोरा,नरेंद्र चंद्र गुप्ता,पुष्पराज सिंह,हरिओम गुप्ता,मनमोहन माहेश्वरी,विभाष बनर्जी,विनोद गेलानी,सुधीर जैन,ललित खुराना,दिलीप सोनी,प्रदीप अरोरा,विपुल हांडा,संजय वाधवानी,अनिल मोटवानी, जेठानंद वाधवानी, घनश्याम मँघरानी,श्यामलाल गुप्ता श्यामू,मनोज वलेजा,संदीप चमड़िया,अनिल झुलवानी, नीलांबर झा,बसंत शर्मा,संदीप धूत,दीपक वाधवानी,रूपेश वलेचा,तरुण ठक्कर,भरत आहूजा,पंकज आहूजा,श्रीमती मंजूषा शाह दिनेश अग्रवाल, अशोक ताम्रकार,उमेश लोहिया,डॉ प्रकाश सिंह,ज्ञान खटवानी,मनीष टेकवानी,धीरज टंडन,बलराम गुनानी सहित सभी सदस्यों ने दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों के प्रति साधुवाद प्रेषित किया है।

छात्रों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर जताई प्रसन्नता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रौरा विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा के माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा सत्र 2024 2025 में कक्षा 10वीं में अमृता तिवारी ने 96% पा कर विद्यालय में कीर्तिमान स्थापित किया है, कक्षा 12वीं में करण दाहिया ने 88% प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है , दोनों छात्रों के प्रदर्शन को देख कर विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों छात्रों ने कम संसाधन, सुविधा में जो परिणाम लाया है उसके लिए हम सब शिक्षक और छात्रों के अभिभावकों ने प्रसन्नता जताई।

84 कार्यों का किया लोकार्पण तथा शिलान्यास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सीधी में आयोजित विशाल समारोह में लाड़ली बहना योजना की 24वीं किस्त की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी की। समारोह में मुख्यमंत्री ने सीधी विधानसभा क्षेत्र को 112 करोड़ 86 लाख 91 हजार रूपये के निर्माण कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने सीधी खुर्द में आयोजित कार्य₹ म के दौरान 9346.48 लाख रूपये लागत के 63 विकास कार्यो का शिलान्यास तथा 1940.43 लाख रूपये लागत के 21 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्य₹ म में 2119.52 लाख रूपये लागत के म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 16 कार्यो का, 4963 लाख रूपये लागत के नगरीय प्रशासन एवं विकास संभाग के 9 कार्यों का, 598.61 लाख रूपये लागत के लोक निर्माण विभाग भवन के 3 कार्यो का, 1260.82 लाख रूपये लागत के लोक निर्माण विभाग भवन/सड़क के 3 कार्यो का, 83.10 लाख रूपये लागत के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्राम पंचायत) के 6 कार्यो का, 246.23 लाख रूपये लागत के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्राम पंचायत) के 20 कार्यों का एवं 75.20 लाख रूपये लागत के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रा.यां.सेवा सीधी) के 6 कार्यों का शिलान्यास किया। इसी प्रकार 1527.06 लाख रूपये लागत के लोक निर्माण विभाग भवन के 6 विकास कार्यो का, 69.50 लाख रूपये लागत के लोक निर्माण विभाग भवन/सड़क के 7 विकास कार्यो का, 33.41 लाख रूपये लागत के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्राम पंचायत) के 1 विकास कार्यों का तथा 310.46 लाख रूपये लागत के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रा.यां.सेवा सीधी) के 7 कार्यों का लोकार्पण किया।

म.प्र.ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (प्राधिकरण ग्राम सड़क योजना) अंतर्गत 123 लाख रूपये लागत के छवारी मिडिल स्कूल से भुशिय टोला पहुंच मार्ग, 132.61 लाख रूपये लागत के करहिया चौराहा से करहिया बैगान बस्ती तक, 189.04 लाख रूपये लागत के ग्राम पंचायत भवन सरेठी साई खंधोटोला पहुंच मार्ग, 210.85 लाख रूपये लागत के सीधी ब्यौहारी रोड से चिरकुंडा टोला पहुंच मार्ग, 114.27 लाख रूपये लागत के सीधी ब्यौहारी रोड से बैगा बस्ती चौफल पवई मार्ग, 113.89 लाख रूपये लागत के बोदाराहा प्राईमरी स्कूल से चितहिया तक, 138.79 लाख रूपये लागत के सिरसी हनुमान मंदिर से खुद्दु टोला, 186.95 लाख रूपये लागत के मेन रोड पडरी से कुआ खोली तक पहुंच मार्ग, 176.16 लाख रूपये लागत के मायापुर खुटेली लौर रोड से ओदरा बैगा बस्ती तक एवं 297.51 लाख रूपये लागत के खुटेली बलियार से आमरहवा टोला तक पहुंच मार्ग का शिलान्यास किया। इसी प्रकार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अंतर्गत 700 लाख रूपये लागत के आडिटोरियम निर्माण कार्य, नगरीय प्रशासन विभाग अंतर्गत 1639 लाख रूपये लागत के अमृत 2.0 योजनान्तर्गत सीधी शहरी के जल प्रदाय योजना का विस्तार एवं संवर्धन कार्य, 127 लाख रूपये लागत के ग्राम जोरौधा सीधी में नवीन था फ्ल एवं सब्जी मंडी निर्माण।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

क्रमांक-640/ई-टेंडर/जोन-02, 04/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 13.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एव जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_422762_1 15.05.2025 [FIRST CALL] 627/13.05.2025	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-09 में कैलाशपुरी में निधि हॉस्टल के पास पटेल जी के घर से नीलेश दुबे जी के घर तक RCC सड़क एवं पुलिया निर्माण का कार्य।	04 माह ₹31.89 लाख	₹5000.00 ₹23918.00	16.06.2025 18:00 बजे तक।
2.	2025_UAD_442773_1 15.05.2025 [FIRST CALL] 633/13.05.2025	जोन क्रमांक-04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26 में (1) हरिहर सिंह जी के घर से वेदांता स्कूल तक, (2) सोनू लाडिया जी के घर से सिंह साहब के घर तक, (3) एस.के. पटेल जी के घर से मुकेश तिवारी जी के घर तक RCC नाली एवं पुलिया निर्माण का कार्य।	04 माह ₹21.24 लाख	₹5000.00 ₹15930.00	16.06.2025 18:00 बजे तक।
3.	2025_UAD_422776_1 15.05.2025 [FIRST CALL] 634/13.05.2025	जोन क्रमांक-04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26 में नमो नगर से श्री हनुमान मंदिर पोखरी टोला तक RCC नाली निर्माण का कार्य।	04 माह ₹26.14-लाख	₹5000.00 ₹19605.00	16.06.2025 18:00 बजे तक।
4.	2025_UAD_422778_1 15.05.2025 [FIRST CALL] 636/13.05.2025	जोन क्रमांक-04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-22 एवं 27 में उज्जैनिन महारानी रीवा अनाथालय से धोबिया टंकी मस्जिद होते हुए श्याम शाह मेडिकल कॉलेज गेट तक RCC नाली एवं पुलिया निर्माण का कार्य।	04 माह ₹36.53 लाख	₹5000.00 ₹27398.00	16.06.2025 18:00 बजे तक।

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जोन क्रमांक-02, 04
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं। तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है।

दुनिया को समझना होगा, भारत का न्यू नॉर्मल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि? दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी। पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शदों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका।

पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी—बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू—इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था– आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन—मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र—शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए पीएम मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर भारत का न्यू नॉर्मल है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का न्यू नॉर्मल है।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ़ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या

करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है। मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं।

रायपुर में फिर बनेगा स्काई-वॉक, सरकार ने 37 करोड़ रुपए मंजूर किए, 12 जगहों पर लगेंगे एस्केलेटर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में स्काई-वॉक का निर्माण फिर से शुरू होगा। अधूरे पड़े इस बहुचर्चित और विवादित प्रोजेक्ट के लिए PWD ने राशि मंजूर कर दी है। करीब 8 साल से अधूरे खड़े ढांचे को पूरा करने लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया जारी की थी। अब इसके लिए 37 करोड़ 75 लाख रुपए की मंजूरी भी मिल गई है। करीब डेढ़ किमी के स्काई वॉक में 12 जगह उतरने और चढ़ने के लिए ऐस्कलेटर लगेंगे। इसी के पास सीढ़ियां भी बनाई जाएंगी। इसके अलावा दो जगहों में अलग से सीढ़ियां बनेंगी।

लोक निर्माण विभाग मंत्रालय से जारी आदेश के मुताबिक, पीएसएस कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. रायपुर को यह काम सौंपा गया है। यह प्रोजेक्ट पहले की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अधूरा रह गया था। लंबे समय से इसे लेकर विवाद और राजनीतिक तकरार बनी हुई थी।

अब भाजपा सरकार ने इसे दोबारा शुरू करने की घोषणा के साथ बजट स्वीकृत कर दिया है। प्रोजेक्ट की कुल लागत 37 करोड़ 75 लाख 70 हजार 682 रुपए बताई गई है। जो पिछले अनुमानित लागत का 20.17% अधिक है।

इस बार कार्य की गुणवत्ता, डिजाइन और पर्यावरणीय मानकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी विभाग ने दिए हैं। प्रशासनिक स्वीकृति के तहत कार्य जल्द शुरू करने के साथ ही समय पर पूरा करने भी कहा गया है।यह बहुप्रतीक्षित स्काईवॉक प्रोजेक्ट 2017 में शुरू हुआ था। उद्देश्य था कि रेलवे स्टेशन, शास्त्री चौक और जय स्तंभ चौक जैसे व्यस्त क्षेत्रों में पैदल यात्रियों को ट्रैफिक से राहत मिले और शहर को एक मॉडर्न लुक दिया जा सके। निर्माण के दौरान कई तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों के चलते यह प्रोजेक्ट रुक गया।

अंबेडकर अस्पताल के मरीज स्काई वॉक से ट्रैफिक में फंसे बिना डीकेएस अस्पताल पहुंच सकेंगे। इसके लिए दोनों अस्पतालों को जोड़ने वाली जगह पर लिफ्ट लगाई जाएगी। स्काई वॉक का एक हिस्सा डीकेएस अस्पताल परिसर में उतरता है।स्काई-वॉक में शास्त्री चौक वाले हिस्से पर रोटरी बनेगी। पूरे चौक पर किसी भी हिस्से में लोग चढ़- उतर सकेंगे। कई हिस्से में गर्डर तक काम हो चुका है। इसके ऊपर फ्लोरिंग कर आरसीसी स्लैब डाला जाएगा। स्लैब के ऊपर टाइल्स और दोनों किनारों पर स्टील की रेलिंग लगाई जाएगी।

बारिश और धूप से बचाने के लिए ऊपरी हिस्से में पॉली-कार्बोनेट शीट लगाई जाएगी। आस-पास सरकारी दफ्तरों में आने-जाने वालों को राहत मिलेगी। सात साल पहले कराए गए एक सर्वे में ये बताया गया था कि शास्त्री चौक के चारों ओर रोज औसतन 40 हजार से ज्यादा लोग पैदल सफर करते हैं।

जय स्तंभ चौक पर स्थित मल्टी-लेवल पार्किंग से शास्त्री चौक और अंबेडकर अस्पताल के गेट तक स्काई वॉक का स्ट्रक्चर तैयार है। पीडब्ल्यूडी के अफसरों की जांच में पता चला है कि इस ब्रिज से कई जगहों से एसीपी शीट, एल्यूमीनियम फ्रेम और डिवाइडर रेलिंग चोरी हो गए हैं।

ब्रिज में लगे स्टील और नट बोल्ट सही हैं। वेल्डिंग, पेंटिंग, फ्लोरिंग, हुड और फ्लोरिंग फिक्सिंग का काम अधूरा है। खुले में होने की वजह से बारिश और गर्मी के कारण कई हिस्से में जंग भी लग गई है।

रायपुर में कारोबारी ने की लाखों की लूट की प्लानिंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में एक कारोबारी ने लाखों रुपए की लूट की प्लानिंग करके वारदात को अंजाम दिया है। उसने अपने दोस्तों की मदद से राजस्थान से बदमाश भी बुलाए थे। बदमाशों ने रायपुर में एक दुकानदार के सिर पर पत्थर मारकर करीब 15 लाख रुपए कैश लूट लिए थे। इस मामले में क्राइम ब्रांच और आजाद चौक पुलिस ने राजस्थान से 2 बदमाशों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो आरोपी अभी भी फरार हैं। आजाद चौक थाना प्रभारी जितेन्द्र ताम्रकार से मिली जानकारी के मुताबिक, महावीर शर्मा पिता डालचंद शर्मा (34 साल) ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि वह इलेक्ट्रॉनिक सामानों की होलसेल मार्केटिंग का काम करता है। 30 अप्रैल शाम करीब साढ़े 7 बजे वह स्कूटी से घर वापस लौट रहा था। एमजी रोड से होते हुए समता कॉलोनी के केदार अस्पताल के पास पहुंचा था।

तभी तीन लड़कों ने स्कूटी को रोक लिया और धक्का देकर गिरा दिया। उन्होंने महावीर के पास रखे बैग को छीनने लगे। जब कारोबारी ने विरोध किया तो वह मारपीट करने लगे। उसके बाद उन्होंने पत्थर से सिर पर हमला कर दिया। इस मारपीट में कारोबारी को हल्की-फुल्की चोटें आईं थी। हालांकि, वारदात के बाद आरोपी रुपयों से भरा बैग लेकर मौके से फरार हो गए थे। वारदात के बाद एसएसपी डॉ लाल उम्मेद सिंह ने क्राइम ब्रांच को जांच के निर्देश दिए।

इस मामले में पुलिस ने महावीर शर्मा से पूछताछ की तो पता चला कि लुटेरों के बोलने का स्टाइल और भाषा राजस्थान से मिलती-जुलती थी। जांच टीम ने टेक्निकल इनपुट और शक के आधार पर राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़ पहुंची। वहां से एक आरोपी राकेश भार्गव उर्फ कालू को पकड़ा। पुलिस की सख्ती से पूछताछ में पूरी घटना और प्लान का जिक्र कर दिया।

बलरामपुर से झारखंड जा रही थी बारात, करीब 80 लोग थे सवार; 63 घायल

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी, 3 की मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के कंठी घाट पर गुरुवार दोपहर बारातियों से भरी तेज रफ्तार बस खाई में गिर गई। हादसे में 3 बारातियों की मौत हो गई, जबकि महिला-बच्चे समेत 63 लोग घायल है। वहीं, गंभीर रूप से घायल 7 बारातियों को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। घटना बलरामपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, शंकरगढ़ के बेलकोना निवासी गुंजन रात के बेटे सुनील की शादी झारखंड के बरगढ़ में तय हुई थी। गुरुवार को करीब 70 से 80 ग्रामीण बस में सवार होकर बारात के लिए निकले थे। इसी दौरान चांदो थाना क्षेत्र के कंठी घाट पर बस बेकाबू होकर लुढ़कते हुए खाई से नीचे दूसरे सड़क पर गिर गई। हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार महिला महंती पति हेमंत (27) और मांदुर पिता सीताराम (18) की मौके पर मौत हो गई। दोनों बस के अंदर ही दब गए थे। पुलिस ने जेसीबी की मदद से बस को उठाकर उन्हें बाहर निकाला।घटना की सूचना पर चांदो पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को चांदो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। बलरामपुर पहुंचने पर ममेश बड़ा (12) की मौत हो गई। बच्चा गोपालपुर से शादी में आया था।

वहीं, हादसे की सूचना पर बलरामपुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। सीएस डॉ. सीएस शशांक गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. बसंत सिंह समेत डॉक्टरों की पूरी टीम घायलों के इलाज में जुट गई।

भिलाई में पहचान छिपाकर रह रही बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार, आधार कार्ड और नाम फर्जी निकला, अवैध तरीके से 2 साल रही, मकान-मालिक भी पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। भिलाई में स्पेशल टास्क फोर्स ने बुधवार को अवैध तरीके से रह रही बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है। पिछले 2 साल से वह पहचान छिपाकर किराए के घर पर रह रही थी। पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराने पर मकान मालिक को भी पकड़ा गया है। जांच में महिला का आधार कार्ड और नाम फर्जी पाया गया।बताया जा रहा है कि, महिला दूसरे के घरों में काम करती थी। ढ्ढढ्ढस्नह्ल्र एप से परिजनों से बातचीत करती थी। इस एप की विशेषता है, इसमें नंबर डिस्प्ले नहीं होते हैं। यहां से कमाए पैसों को अपने परिचित के जरिए परिवार को बांग्लादेश भेजती थी। यह मामला सुपेला थाना इलाके का है।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि, अवैध अप्रवासियों को पकड़ने के लिए भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई है। जांच के दौरान पता चला कि, सुपेला नेहरू रोड पर एक बांग्लादेशी महिला किराए पर सूरज साव का मकान ले रखी है।

जब उसने दस्तावेज का इस्तेमाल शासकीय अस्पताल में इलाज के लिए दिया, तब पुलिस अलर्ट हुई। महिला से पूछताछ में पता चला कि, उसका असली नाम पन्ना बीबी है, लेकिन भिलाई में अंजली सिंह उर्फ काकोली घोष के नाम से रह रही थी। उसने अपना फर्जी आधार कार्ड भी बनवा लिया था।

पन्ना बीबी के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1946 और भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1920 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने उसे किराए से देने वाले मकान मालिक सूरज साव को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पन्ना बीबी उर्फ काकोली घोष ने पूछताछ में बताया कि, उसने अवैध पासपोर्ट और वीजा तैयार कर 8 साल पहले बांग्लादेश से उत्तर प्रदेश के बनगांव पेट्रापोल जिला और पश्चिम बंगाल स्थित बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर को पार कर अवैध रूप से भारत पहुंची थी।

काकोली घोष भारत पहुंचने के बाद 5 साल तक पश्चिम बंगाल के सोनागाछी में थी। इसके बाद दिल्ली आई। एक साल तक दिल्ली में रहने के बाद अपनी सहेली पूजा के साथ भिलाई आ गई। यहां पिछले करीब 2 सालों से सूरज साव के मकान में रह रही थी।भिलाई से काम करने के बाद मिले पैसों को समय-समय पर अपने घर बांग्लादेश भेजती थी। इसके लिए पहले पैसे कोलकाता पश्चिम बंगाल अपने परिचित के पास भेजती थी। इसके बाद वो युवक उन पैसों को उसके परिवार वालों तक पहुंचाता था।एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि, काकोली किस तरह बांग्लादेश से भारत पहुंची, उसमें किन लोगों का इन्वॉल्वमेंट है। उसका फर्जी आधार कार्ड किसने बनाया। इन सबकी पुलिस जांच करेगी। इस पर कार्रवाई करने के लिए संबंधित एजेंसियों को पत्र लिखा जाएगा।

शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने कलेक्टर ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।सतना शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने और सुचारू सुगम्य यातायात के लिये कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरूवार को कलेक्टर कक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से पिछले हफ्ते भ्रमण के दौरान दिये गये निर्देशों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि सिविल लाइन में कोठी तिराहे से सिविल लाइन चौक तक, सेमरिया चौक के बस स्टैण्ड में पूर्वी छोर से बसों की निकासी और सतना शहर के पालिका बाजार, इंदिरा मार्केट, अस्पताल चौक से जिला अस्पताल के मुख्य गेट तक आवागमन सुगम बनाने के लिए सीमांकन कर लिया गया है। जल्द ही कार्य पूर्ण कर चिन्हित स्थानों पर आवागमन को अवरोध को समाप्त कर लिया जायेगा। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना, एसडीएम एलआर जांगडे, तहसीलदार सौरभ मिश्रा, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, नगर निगम के अतिर मण प्रभारी, थाना प्रभारी यातायात भी उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा, डीपीसी एवं डाइट की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। विभाग अंतर्गत स्वीकृत और चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को आरईएस विभाग के उपयंत्री के साथ साइट विजिट करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि बीईओ और बीआरसी स्कूलों के साथ-साथ छात्रावासों का भी निरीक्षण करें। स्कूल निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं के पास पाठ्य-पुस्तकों की उपलब्धता तथा अभ्यास पुस्तिका में किये गये कार्य अवश्य देखें। कलेक्टर ने कहा कि आगामी सत्र शुरू होने के बाद वे स्वयं भी स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान पठन-पाठन की व्यवस्था में कमी पाये जाने पर संकुल प्राचार्य की बजाय संबंधित बीईओ और बीआरसी के ऊपर कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के कैरियर निर्माण के लिए जिले के सफल व्यक्तियों को मोटिवेशन के लिए आनलाइन/आफलाइन कार्यर मों के जरिए बच्चों के बीच प्रस्तुत करें। ताकि छात्र-छात्रायें उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का अनुसरण करते हुए अपने लक्ष्य के अनुसार बेहतर मुकाम हासिल कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि स्कूल के बच्चों को स्थानीय कल-कारखानों का भ्रमण कराये। जिससे छात्र-छात्रायें कारखानों की कार्य प्रणाली को समझ कर प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, डाइट प्राचार्य सच्चिदानंद पाण्डेय समेत विकासखण्ड स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

सतना-मैहर जिले की 3 लाख 78 हजार 253 महिलाओं के खाते में आई राशि

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गुरूवार को सीधी जिले की तहसील गोपदबनास (सीधी खुर्द) में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को 1552.38 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण की गई। सतना और मैहर जिले की 3 लाख 78 हजार 253 हितग्राही लाडली बहनों के खाते में 46 करोड 39 लाख रुपए की राशि आई है। जिसमें सतना जिले की 2 लाख 48 हजार 506 हितग्राही महिलाओं को 30 करोड 50 लाख रूपये तथा मैहर जिले की 1 लाख 29 हजार 747 महिलाओं को 15 करोड 89 लाख रूपये की राशि का अंतरण शामिल है। राज्य स्तरीय कार्यर म का वर्चुअल प्रसारण सतना जिले के बाल संरक्षण इकाई में सहायक संचालक श्यामकिशोर द्विवेदी सहित हितग्राही महिलाओं द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। इसी प्रकार मैहर के नगर पालिका कार्यालय में भी राज्य स्तरीय कार्यर म का वर्चुअल प्रसारण हितग्राही महिलाओं द्वारा देखा गया।

नदियां बचेंगी तो जीवन बचेगा, जल रहेगा तो कल रहेगा, चौपाल में हुआ मंथन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर सतीश कुमार एस के मागदर्शन और जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी के समन्वय में दीनदयाल शोध संस्थान और जन अभियान परिषद द्वारा चलाए जा रहे मां मंदाकिनी नदी पुनर्जीवन जन जारूकता अभियान के पांचवे दिवस मंदाकिनी नदी के तटीय क्षेत्रों में नदी संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यर म आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत दीवार लेखन, जल चौपाल, छात्रों के साथ जल विमर्श सहित विभिन्न कार्यर म आयोजित कराए गए। अभियान के पंचम दिवस गुरूवार को ग्राम चौराहा में पैशुनी नदी के किनारे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी जल चौपाल आयोजित हुआ। आयोजित चौपाल में विकासखंड समन्वयक विजयेन्द्र कुमार जड़िया द्वारा कार्यर म की प्रस्तावना एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए पैशुनी नदी के पौराणिक महत्व तथा जन जीवन के लिए इसके महत्व को बताया गया। कार्यर म में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां के पंकज शर्मा ने बताया कि मंदाकिनी नदी किसी ग्लेशियर से नहीं निकलती, इसलिए उसे सदानीरा रखने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम उसके तटीय क्षेत्र में सघन पौधारोपण कर हरा भरा बनाएं, जिससे बरसात का पानी अधिक से अधिक पौधों की जड़ों में एकत्रित हो और धीरे-धीरे रिसाव के माध्यम से वर्ष भर मंदाकिनी नदी हेतु जल की पूर्ति करने में सहयोगी बने। दीनदयाल शोध संस्थान के हरिराम सोनी ने कहा कि भारतर% नानाजी देशमुख सदैव इस बात के पक्षधर रहे हैं कि प्राकृतिक संसाधनों को आवश्यकता अनुसार ही उपयोग किया जाना चाहिए। आयोजित चौपाल में समाज शिल्पी अक्षय तिवारी, नवांकुर संस्था शिवा ग्रामीण विकास संस्थान बृजेंद्र सिंह, परामर्शदाता संजू मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष राहुल उपाध्याय, समाजसेवी जीतेंद्र द्विवेदी द्वारा भी नदी पुनर्जीवन एवं पर्यावरण एवं जल संरक्षण के विविध पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उपस्थित जन समुदाय द्वारा भी जलसंकट के कारण एवं निवारण के उपायों हेतु चर्चा की गई और विभिन्न सुझाव दिए गए। कार्यर म के अंत में सभी सहभागियों ने जल संरक्षण हेतु शपथ ली एवं सभी का आभार व्यक्त किया गया।

लाडली बहना योजना की राषि से अर्चना के जीवन में आया बदलाव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना महिलाओं के जीवन में वरदान बनकर सामने आई है। योजना की हितग्राही महिलायें इस सौगात के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रही हैं। सतना जिले की धवारी में रहने वाली अर्चना सिंह भी इन्हीं हितग्राहियों में शामिल है। अर्चना सिंह ने बताया कि उन्हें हर माह 1250 रूपए की राशि मिल रही है। इस राशि से अपना घर खर्च चलाने एवं बच्चों की पढाई में उपयोग कर रही है। इसके अलावा जो पैसा बचता है उससे वे छोटा-मोटा व्यवसाय चलाकर भी अपनी आय बढा रही है। अर्चना सिंह ने बताया कि अब उन्हें पैसे के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता। जीवन में आने वाली कठिनाईयों में यह राशि काम आती है। अर्चना सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सही मायने में सच्चे भाई का फर्ज निभाया है। इसके लिए हम प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हैं।

मऊगंज जिला दण्डाधिकारी ने आशीष तिवारी को किया जिला बदर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। मऊगंज जिला दण्डाधिकारी संजय कुमार जैन द्वारा आशीष तिवारी को जिला बदर किये जाने का आदेश दिया गया है। जिला दण्डाधिकारी ने आशीष तिवारी पिता बाल कृष्ण तिवारी निवासी ग्राम मढारघुवर थाना हनुमना को मऊगंज एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले सीधी एवं रीवा की राजस्व सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिये निष्कासित करने का आदेश दिया है। उन्होंने आदेश प्राप्ति के 48 घंटे के अंदर जिले की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश पारित किया है। आदेश का उल्लंघन करने पर म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

मणिपुर के चंदेल में 10 उग्रवादी ढेर

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चंदेल जिले में गुरुवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। भारत-म्यांमार बॉर्डर पर सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना की ईस्टर्न कमान ने बताया- 14 मई को न्यू समताल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधि की जानकारी मिली थी। इसके बाद असम राइफल्स की यूनिट ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान उग्रवादियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में 10 उग्रवादी मारे गए। इनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। इधर, सुरक्षाबलों ने मणिपुर के 4 जिलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां थोउबाल, काकचिंग, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों से हुई हैं। कोहिमा में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी इलाके में ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। जैसे ही ऑपरेशन पूरा होगा, पूरी जानकारी साझा की जाएगी। मुठभेड़ चंदेल जिले के पहाड़ी इलाके में भारत-म्यांमार अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के करीब हुई है। यह इलाका राजधानी इंफाल से 130 किलोमीटर दूर है और यहां बहुत कम लोग रहते हैं।

बंगाल की खाड़ी पहुंचा मानसून, 27 मई को केरल पहुंचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 20 राज्यों में आज गुरुवार को बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में आंधी के साथ तेज बारिश की चेतावनी है। महाराष्ट्र में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में हीट वेव (लू) चलने के आसार हैं। बिहार के 23 और यूपी के 19 जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार को रोहतास जिला 44 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को बंगाल की खाड़ी पहुंच गया। यह 27 मई को केरल में दस्तक देगा। यानी मानसून आने में 12 दिन बचे हैं। मानसून ने मंगलवार को निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दी थी। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मानसून इस साल नौ दिन पहले आया है।

लखनऊ में चलती एसी बस में आग, 5 जिंदा जले

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में गुरुवार सुबह चलती एसी बस में आग लग गई। हादसे में 5 यात्रियों की जलकर मौत हो गई। मृतकों में मां-बेटी, भाई-बहन और एक युवक है। बस में करीब 80 यात्री थे। स्लीपर बस बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही थी।

हादसा सुबह 4.40 बजे आउटर रिंग रोड (किसान पथ) पर मोहनलालगंज के पास हुआ। उस वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। यात्रियों ने बताया कि बस में अचानक धुआं भरने लगा। लोगों को कुछ समझ नहीं आया।

लाड़ली बहनों को अब तक मिला 28 हजार करोड़ रूपए से अधिक का लाभ

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी कल्याण के लिए संकल्पित है। भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानते हुए सरकार अपने सभी वचन (संकल्प) पूर्ण कर रही है। प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को योजना की 24वीं किश्त जारी की गई है। हर महीने बहनों को 1250 रुपए राशि भेजकर हर माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश में नारियों के सम्मान की परम्परा अनादि काल से है।

हमने जो वादा बहनों से किया था उसे लगातार निभा रहें है। हम भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानने वाले हैं जो वचन देते हैं उसे प्राण देकर भी निभाते हैं। लाड़ली बहना को सम्मान देकर पूरा प्रदेश गौरवान्वित होता है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 28 हजार करोड़ से अधिक का लाभ मिल चुका है। सरकार के द्वार बहनों के लिए सदैव खुले हैं। उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों के खातों में पैसे पहुंचते हैं तो घर में लक्ष्मी बनी रहती है। भारत में पारिवारिक संस्कृति ऐसी है कि एक मां अपना हिस्से का भोजन बेटे को कराकर खुश होती है। भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जहां भारत भूमि की पूजा मां के रूप में की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सीधी में विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण के साथ विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

ट्रम्प भारत-पाक के बीच मध्यस्थता वाले बयान से पलटे

दोहा (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को 5 दिन बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, लेकिन मैंने मदद की है। ट्रम्प ने कहा, मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सैटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हो सकता था। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागना शुरू कर दिया और हमने सब सैटल कर दिया।

ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। कहा था, मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई।

मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है, लेकिन मामला सुलझ गया।

बिना परमिशन छात्रावास जाने पर राहुल गांधी पर एफआईआर

दरभंगा, पटना (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को बिहार में 7 घंटे रहे। दरभंगा में प्रशासन की परमिशन के बिना छात्रावास पहुंचे और 12 मिनट छात्रों को मंच से संबोधित किया। बिना परमिशन छात्रावास जाने के लेकर दरभंगा में राहुल गांधी पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी जिला कल्याण पदाधिकारी आलोक कुमार की ओर से दर्ज कराई गई है। दरभंगा से पटना आने के बाद उन्होंने 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ फुले मूवी देखी। मूवी देखने के बाद कहा, अच्छी थी, सभी को देखना चाहिए। शाम 5.30 बजे

राहुल पटना से दिल्ली के रवाना हो गए। इसके पहले उन्होंने दरभंगा में कहा कि, मोदी ने डरकर जातीय जनगणना करवाने का ऐलान किया है। लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करानी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा। आपके दबाव से पीएम ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया। लेकिन वो लोकतंत्र, संविधान और जाति जनगणना के खिलाफ हैं। यह अडाणी-अंबानी की सरकार है। सरकार को प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण देना चाहिए। प्राइवेट सेक्टर में रिजर्वेशन नहीं मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। एयरपोर्ट पर राहुल गांधी ने मीडिया से बात की और कहा कि, मैं यहां कमजोर वर्गों - पिछड़े वर्ग, दलितों के छात्रों के साथ बातचीत करने आया था, लेकिन उन्होंने मुझे रोकने की कोशिश की और मुझे अनुमति नहीं दी। लेकिन हमारा काम हो गया।

एमपी मिनिस्टर शाह पर एफआईआर की भाषा से हाईकोर्ट नाराज

जबलपुर/नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री के विवादित बयान पर दर्ज एफआईआर की भाषा पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने गुरुवार को मंत्री विजय शाह के खिलाफ FIR को सिर्फ खानापूर्ति बताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अब इस पुलिस जांच की निगरानी कोर्ट करेगी। जांच किसी दबाव में प्रभावित ना हो इसलिए ऐसा करना जरूरी है। हाईकोर्ट इस मामले में छुट्टियों के बाद फिर सुनवाई करेगा। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। आप किस तरह के बयान दे रहे हैं? ?देखना चाहिए कि कैसे हालात हैं? ?आप जिम्मेदार पद पर हैं, जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

मध्य प्रदेश सरकार- महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट के आदेश पर बुधवार शाम 7:55 बजे इंदौर के मानपुर थाने में विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई।

500 करोड़ के बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

मथुरा (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर के खजाने से कॉरिडोर बनाने का रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी है। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि भगवान के नाम पर पंजीकृत होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद

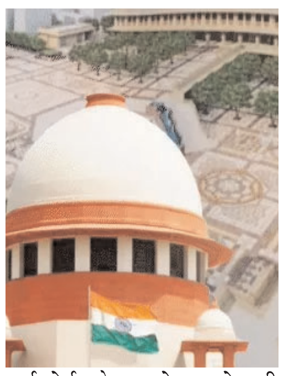

हाईकोर्ट के आदेश को भी संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को सरकारी धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी। बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में ईश्वर चंद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी। इसमें दो मुद्दे रखे गए थे। पहला- रिसीवर को लेकर, दूसरा- कॉरिडोर निर्माण को लेकर। इन दोनों मुद्दों पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया।

बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने के लिए प्रदेश सरकार मंदिर के खजाने की राशि से कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदना चाहती थी।

वक्फ कानून के खिलाफ याचिका पर सुनवाई 20 मई को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 20 मई को सुनवाई की जाएगी। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह ने कहा कि केंद्र और याचिकाकर्ता सोमवार यानी 19 मई तक अपना हलफनामा पेश करें। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने दलीलें पेश कीं। इससे पहले 5 मई को सुनवाई टल गई थी। बेंच ने कहा कि अंतरिम राहत दिए जाने के मुद्दे पर हम 20 मई को विचार करेंगे। दोनों पक्षों के वकीलों ने कहा था कि याचिकाओं के मुद्दों पर नजर डालने के लिए न्यायाधीशों को कुछ और वक्त की आवश्यकता हो सकती है। केंद्र ने भी कहा कि जब 20 मई को सुप्रीम कोर्ट मामले को सुन रहा है, तब तक कानून के अहम प्रावधान लागू नहीं होंगे, यथा स्थिति बनी रहेगी।

केंद्र ने 25 अप्रैल को दायर हलफनामे में कहा था कि कानून पूरी तरह संवैधानिक है। यह संसद से पास हुआ है, इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। 1332 पन्नों के हलफनामे में सरकार ने दावा किया 2013 के बाद से वक्फ संपत्तियों में 20 लाख एकड़ से ज्यादा का इजाफा हुआ। इस वजह से कई बार निजी और सरकारी जमीनों पर विवाद हुआ।

वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सरकार के आंकड़ों को गलत बताया और कोर्ट से झूठा हलफनामा देने वाले वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट बोला- केंद्र जल्द नए स्पेशल पॉक्सो कोर्ट बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सरकार को निर्देश दिया कि वह बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों के मामलों से निपटने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पीओसीएसओ कोर्ट बनाए।

कोर्ट ने कहा कि कई राज्यों ने स्पेशल पीओसीएसओ कोर्ट बनाए हैं, लेकिन तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में केस पेंडिंग के चलते और ज्यादा कोर्ट बनाए जाने की जरूरत है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा कि यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के मामलों के लिए स्पेशल कोर्ट कम होने के कारण मामले की जांच करने के लिए डेडलाइन का पालन नहीं हो पा रहा है। कोर्ट ने पॉक्सो केस के लिए निर्धारित डेडलाइन के अंदर ट्रायल पूरा करने के अलावा निर्धारित अवधि के भीतर चार्जशीट दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

शुभांशु शुक्ला 8 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत अब 8 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे। यह मिशन पहले 29 मई को होना था लेकिन अब लॉन्च शेड्यूल में बदलाव हुआ है।

नासा ने एक्स पर बताया- स्पेस स्टेशन की फ्लाइट शेड्यूल के रिव्यू के बाद कई मिशन के लॉन्च तारीखों में बदलाव हुआ है। एक्सिओम मिशन 4 फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से 8 जून शाम 6:41 बजे (भारतीय समयानुसार) लॉन्च होगा। एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं।

हरियाणा में रेतीला तूफान

भिवानी (एजेंसी)। भिवानी जिले के सिवानी एरिया में राजस्थान की तरफ से आया रेतीला तूफान घरों की छतों से भी ऊंचा दिखा। हालांकि हवा की स्पीड कम होने से कहीं कोई नुकसान नहीं हुआ।

हरियाणा में आए रेतीले तूफान ने राजस्थान बॉर्डर से लेकर दिल्ली एनसीआर तक के लोगों को डरा दिया। इस तूफान का वीडियो सामने आया है। चौड़ी और ऊंची दीवार जैसे इस तूफान का असर तकरीबन 60 किलोमीटर के एरिया में नजर आया। रेतीली धूल का ये तूफान बुधवार शाम को राजस्थान बॉर्डर की तरफ से उठा और फिर हरियाणा में हिसार बॉर्डर से सटे भिवानी के सिवानी कस्बे की तरफ बढ़ता चला गया।

हालांकि तूफान की रफ्तार कम होने के कारण कहीं कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मगर, घरों के अंदर-बाहर रेत की मोटी परत जम गई। तूफान के कारण विजिबिलिटी भी कम हो गई। 200 मीटर से आगे कुछ भी दिखना बंद हो गया।

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी पाकिस्तान से आई तेज हवाओं के कारण धूल का गुबार पंजाब से होते हुए हरियाणा आया और फिर दिल्ली पहुंचा। इसकी वजह से दिल्ली एनसीआर पर भी इसका असर दिखा।

इस रेतीले तूफान का असर सिवानी मंडी और उसके आसपास के तकरीबन 60 किलोमीटर एरिया में देखने को मिला।

चीन ने फिर छेड़ा अरुणाचल को लेकर अपना प्रोपेगैंडा वॉर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अरुणाचल को लेकर अपना प्रोपेगैंडा वॉर भी फिर छेड़ दिया है। उसने अरुणाचल की 27 जगहों के नाम बदले हैं। इनमें 15 पहाड़, 5 कस्बे, 4 पहाड़ी दर्रे, 2 नदियां और एक झील शामिल है। चीन ने ये लिस्ट अपनी सरकारी वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स पर जारी भी की है। इन जगहों के नाम मैंडेरिन (चीनी भाषा) में रखे गए हैं। दावा है कि बीते 8 सालों में चीन ने अरुणाचल की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को कहा- नाम बदलने की चीन की यह हरकत मूर्खतापूर्ण है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। चीन ने नाम बदलने में रचनात्मकता दिखाई है, लेकिन अरुणाचल भारत का अटूट हिस्सा है।

चीन अरुणाचल में अपना दावा जताने की कोशिश में इसके शहरों, गांवों, नदियों आदि के नाम बदलता रहा है। इसके लिए वह चीनी, तिब्बती और पिनयिन नाम देता है, लेकिन जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का रुतबा बढ़ रहा होता है तो ठीक उसी समय चीन की यह हरकत सामने आती है। 2023 में भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन के समय एक बैठक अरुणाचल में की थी

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सेना को मिला हथियारों का जखीरा

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें एके-47 गन समेत कई तरह की बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, हजारों की संख्या में गोलियां शामिल हैं।

केलर में ही 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। शोपियां जिले के केलर स्थित शुकरू फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को शाम 4.30 बजे

मुठभेड़ खत्म हुई थी। इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे भी शामिल था।

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन बनाने पर मुर्मू के 14 सवाल

पूछा- संविधान में ऐसी व्यवस्था नहीं, फिर सुप्रीम कोर्ट कैसे दे सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है। मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है। ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं

है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

1. बिल पर फैसला लेना होगा- सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

2. ज्यूडिशियल रिव्यू होगा- सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल को कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा।

3. राज्य सरकार को राज्यपाल को कारण बताने होंगे- सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे। 4. बिल बार-बार वापस नहीं भेज सकते- अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति किसी बिल को राज्य विधानसभा को संशोधन या पुनर्विचार के लिए वापस भेजते हैं। विधानसभा उसे फिर से पास करती है, तो राष्ट्रपति को उस बिल पर फाइनल डिसीजन लेना होगा और बार-बार बिल को लौटाने की प्रक्रिया रोकनी होगी।

मोहम्मद कैफ ने की बड़ी भविष्यवाणी, बताया ये टीम जीतेगी आईपीएल 2025 का खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने इस साल विराट कोहली के आईपीएल खिताब जीतने की संभावनाओं पर अपनी राय देते हुए कहा कि आरसीबी इस साल बेहतरीन फॉर्म में है और अपनी बेहतरीन ऑलराउंडर टीम के साथ बेंगलुरु स्थिति ये फ्रेंचाइजी निश्चित रूप से अपना पहला खिताब जीतेगी।

मौजूदा सीजन में आरसीबी 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और प्लेटफॉर्म में अपनी जगह पक्की करने से एक जीत दूर है। इस बीच कोहली जो ऑरेंज कैप जीतने वाले 2024 सीजन के दम पर टूर्नामेंट में शामिल हुए, वर्तमान में 505 रनों के साथ इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, जो टॉप पर मौजूद सूर्यकुमार यादव से सिर्फ 6 रन पीछे हैं।

पाकिस्तान की दुनियाभर में बेइज्जती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आईपीएल 2025 का दोबारा आयोजन 17 मई से हो रहा है। वहीं इसी दिन से पाकिस्तान में भी पाकिस्तान सुपर लीग का एक बार फिर से आयोजन हो रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते दोनों ही टूर्नामेंट को कुछ समय के लिए रद्द किया गया था। पाकिस्तान ने तो क्रूरद करने के बाद इसे यूएई में कराने का फैसला लिया था। लेकिन इस मुस्लिम देश की सरकार ने पाकिस्तान को अपने मुल्क में टूर्नामेंट कराने से मना कर दिया। इसके बाद दुनियाभर में पाकिस्तान की खूब बेइज्जती हुई थी।

पाकिस्तान की पीएसएल के कारण से फिर एक बार भारी बेइज्जती हुई है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण खिलाड़ी पाकिस्तान की जमीन पर लौटना नहीं चाहते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफसे प्लेयर्स से काफी मिन्नतें की जा रही हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों ने पाकिस्तान न लौटने का मन बना लिया है। पीएसएल की टीम मुल्तान सुल्तांस को छोड़कर सभी टीमें इस बात के चलते टेंशन में हैं।

पीएसएल की फिर से शुरुआत 17 मई 2025 से होने जा रही है। कराची, लाहौर, इस्लामाबाद, क्वेटा और पेशावर की टीमें प्लेऑफ की रेस में हैं। अगर इन टीमों को विदेशी खिलाड़ी नहीं मिले तो ये भी हो सकता है कि टूर्नामेंट में मिनी ड्राफ्ट करवाया जाए, जिसमें पाकिस्तान के ही बाकी खिलाड़ियों को पीएसएल में खिलवाया जा सकता है। वहीं कराची किंग्स के कप्तान और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर पाकिस्तान वापस आने के लिए तैयार हो गए हैं।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास, इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट में किया ये कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया अगले महीने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। लेकिन इससे पहले भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा ने अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली है। दरअसल, रवींद्र जडेजा आईसीसी की टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में लंबे समय तक नंबर-1 रहने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं, जबकि दूसरे नंबर पर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज हैं, जिनके नाम 327 रेटिंग पॉइंट्स हैं। इतना ही नहीं, रवींद्र जडेजा टॉप 10 में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 9 मार्च 2022 को टॉप पर पहुंचे थे, तब से वह नंबर-1 पोजिशन पर बरकरार हैं। उस समय वह वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पछाड़ कर टॉप रैंकिंग पर काबिज हुए थे। जडेजा ने अब तक भारत की ओर से 80 टेस्ट मैच की 118 इनिंग में 34.74 की औसत से कुल 3370 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 175 रन है।

आईपीएल 2025 में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की एंट्री पर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 अब दोबारा 17 मई से दोबारा शुरू होने जा रहा है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जैक फ्रेजर-मैक्गर्क की जगह बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल कर लिया है। दिल्ली कैपिटल्स का ये फैसला फैंस को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किए जाने के बाद फैंस की सोशल मीडिया पर जबरदस्त नाराजगी देखने को मिल रही है। कई फैंस दिल्ली के मैचों का बहिष्कार करने तक की मांग कर रहे हैं।

भारत-पाकिस्तान टकराव के चलते आईपीएल को 9 मई से 1 हफ्ते के लिए टाल दिया गया था। इसके चलते सभी विदेशी खिलाड़ी वापस लौट गए थे। सीजफायर के बाद बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के बचे हुए मुकाबलों के लिए नया शेड्यूल जारी किया। विदेशी खिलाड़ियों की वापसी को लेकर अनिश्चितता के बीच बोर्ड ने सभी टीमों को अस्थायी रिप्लेसमेंट साइन करने की छूट दी थी। इसी नियम के तहत दिल्ली कैपिटल्स ने 14 मई को बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जैक फ्रेजर-मैक्गर्क ने भारत लौटने से इंकार कर दिया था। इस फैसले को लेकर फैंस का कहना है कि बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचार को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। बांग्लादेश में मुख्य चीफ सलाहकार मोहम्मद यूनुस और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों द्वारा हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। वहां के मंदिरों-मूर्तियों को तोड़ा गया और महिलाओं के साथ अभद्रता हुई। इससे भारतीय फैंस में काफी गुस्सा और नाराजगी है और वे आईपीएल में किसी भी बांग्लादेशी खिलाड़ी की भागीदारी का विरोध कर रहे हैं।

प्लेऑफ टिकट लगभग कन्फर्म, चौथी टीम के लिए होगी असल जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 एक हफ्ते के बाद बहाल होने जा रहा है। 17 मई से फैंस को एक बारफिर वही धूम धड़ाका देखने को मिलेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को देखने हुए बीसीसीआई ने लीग को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था। अब बोर्ड ने सीजन-18 के बचे मैचों का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। तय कार्यक्रम के अनुसार, 25 मई को फाइनल होना था, लेकिन अब खिताबी मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा। हालांकि, प्लेऑफ की दौड़ में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सीएसके, आरआर और एसआरएच टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, वहीं 7 टीमों के बीच अभी भी टॉप-4 में जगह बनाने की जंग जारी है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस ने अभी तक खेले 11 में से 8 मैच जीते हैं, वहीं तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के खाते में फिलहाल 16 अंक है। टीम को प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए बचे 3 में से कम से कम एक और मैच जीतना होगा। हालांकि, जीटी की नजरें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के साथ-साथ टॉप-2 में बने रहने पर होगी। टीम अगर दो मैच जीतती है तो उनकी जगह टॉप-2 में भी पक्की हो सकती है।

आरसीबी

आईपीएल बहाल होने के बाद आरसीबी अपना पहला मैच केकेआर के खिलाफ खेलेगी। उस मैच को जीतकर आरसीबी प्लेऑफ का टिकट हासिल करने वाली पहली टीम बन सकती है। उस मैच को जीतकर आरसीबी प्लेऑफ का टिकट हासिल करने वाली पहली टीम बन सकती है। टीम के खाते में 11 मैचों में 16 अंक है, कोलकाता को हराकर आरसीबी 18 पॉइंट्स तक पहुंच सकती है।

पंजाब किंग्स

श्रेयस अय्यर की टीम के खाते में 11 मैचों में 7 जीत के साथ 15 अंक हैं केकेआर नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश की भेंट चढ़ा था। वहीं दिल्ली के खिलाफ रद्द हुआ उनका मैच शेड्यूल हो चुका है। पंजाब की टीम को यहां से तीन में से 2 मैच जीतने होंगे। अगर टीम एक जीत दर्ज करती है तो उन्हें प्लेऑफ का टिकट हासिल करने के लिए इंतजार करना होगा।

मुंबई इंडियंस

एमआई के खाते में 12 मैचों में 14 पॉइंट्स है, हालांकि, उनका नेट रन रेट अभी भी टूर्नामेंट में सबसे बेहतर है। मुंबई के अगले दो मुकाबले पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ है, जो करो या मरो साबित हो सकते हैं। मुंबई अगर यहां से एक भी मैच हारती है तो उनकी गाड़ी 16 पाइंट्स पर अटक आएगी ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के पास टॉप-4 में जगह बनाने का सुनहरा मौका होगा।

दिल्ली कैपिटल्स

शानदार अंदाज में सीजन का आगाज करने वाली दिल्ली की टीम अब अपनी लय खो चुकी है। 11 मैचों में 6 जीत के साथ टीम पांचवें पायदान पर है। हालांकि, डीसी के पास अभी भी सबसे ज्यादा 19 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका है, लेकिन इसके लिए उन्हें बचे सभी मैच जीतने होंगे। अगर टीम दो मैच जीतती है तो उन्हें दुआ करनी होगी कि मुंबई अपना एक मैच हार जाए।

लखनऊ सुपर जाएंट्स

ऋषभ पंत की टीम अभी भी टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है क्योंकि उनके पास अभी भी सबसे ज्यादा 16 अंकों तक पहुंचने का मौका है, लेकिन एक हारअब उनका टूर्नामेंट में सफर समाप्त कर सकता है। एलएसजी के खाते में फिलहाल 11 मैचों में 10 पॉइंट्स है। उन्हें अगले तीन मैच आरसीबी, गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलने हैं। इसके अलावा उन्हें एमआई, डीसी और केकेआर के रिजल्ट पर निर्भर रहना होगा।

शशांक सिंह का सामान जयपुर की जगह पहुंचा बेंगलुरु, इंडिगो एयरलाइंस की भारी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 मई से आईपीएल दोबारा शुरू होने जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते बीसीसीआई ने टूर्नामेंट को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था। ऐसे में नए शेड्यूल के अनुसार खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के साथ तय वेन्यू पर पहुंच रहे हैं। वहीं पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह के साथ एक घटना हो गई।

दरअसल, पंजाब किंग्स का 18 मई को मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जयपुर में है। टीम इस मैच के लिए वहां पहुंच गई है। हालांकि, शशांक सिंह के साथ ये हुआ कि वे तो जयपुर पहुंच गए लेकिन उसका सामान जयपुर की जगह बेंगलुरु पहुंच गया। ये गलती एयरलाइंस से हुई जिसकी वजह से वह भड़क गए।

हमारे देश की सबसे खराब एयरलाइन्स में से एक है। मेरा सामान जयपुर पहुंचना था और फिलहाल वह बैंगलोर में है। मुझे नहीं पता कि वे इतनी चालाकी से काम कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि, जब बात कम्युनिकेशन की आती है तो मैनेजमेंट बिल्कुल खराब है और बेशक जब अहंकार की बात आती है तो वे अव्वल दर्जे के हैं। साथ ही, जयपुर इंडिगो के कर्मचारी संपर्क से बाहर हो गए हैं। वे न तो मेरी कॉल रिसीव कर रहे हैं और न ही मुझे मेरे सामान की स्थिति के बारे में बता रहे हैं। मुझे हैरानी है कि ऐसी अक्षमता कैसे कायम रहती है।

गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका, ये धाकड़ खिलाड़ी होगा टीम से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की अंक तालिका में टॉप पर काबिज गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका लगा है। टूर्नामेंट में 500 रन ठोक चुके विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर प्लेऑफ में उपलब्ध नहीं होंगे। गुजरात की बल्लेबाजी टॉप-3 पर टिकी हुई है।

बटलर के अलावा, शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। ऐसे में बटलर का प्लेऑफ में न होना बड़ा झटका है। इसके अलावा टीम के पास विकेटकीपिंग विकल्प भी सीमित है। हालांकि, गुजरात टाइटंस ने बटलर का अस्थाई रिप्लेसमेंट भी ढूंढ लिया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस उनकी जगह लेंगे।

मेंडिस को सीधे टाइटंस की प्लेइंग 11 में शामिल किए जाने की संभावना है, क्योंकि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम के पास विकेटकीपिंग विकल्प सीमित हैं। अनकैप्ड अनुज रावत ही एकमात्र अन्य दावेदार हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल 2025 को एक हफ्ते के लिए स्थगित करना पड़ा। दोनों देशों के बीच सीजफायर केबाद 17 मई से आईपीएल 2025 से शुरू होगा। आईपीएल 2025 के 17 मैच 17 मई से 3 जून के बीच खेला जाएगा। इस बीच इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है। जोस बटलर को दोनों सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में चुना गया है। यही कारण है कि वह आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में नहीं खेल पाएंगे।

गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 16 अंकों के साथ मौजूदा अंक तालिका में टॉप पर है और क्वालिफिकेशन हासिल करने से एक जीत दूर है। इस सीजन में नंबर3 पर बल्लेबाजी करते हुए बटलर ने 71.43 के औसत से 500 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी के अंतिम 3 लीग स्टेज के मैच खेलने की संभावना है।

साउथ अफ्रीका ने अपने खिलाड़ियों को बुलाया वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल का 18वां सीजन एक बार फिर शुरू हो रहा है। 17 मई को आरसीबी बनाम केकेआर मैच से इसकी शुरुआत हो जाएगी। फाइनल मैच 3 जून को खेला जाएगा। लेकिन इससे पहले क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने झटका दिया है। सीएसए ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल प्लेयर्स को 26 मई तक वापस आने के लिए कहा है, इससे मुंबई इंडियंस, आरसीबी, गुजरात टाइटंस, पंजाब किंग्स समेत 6 टीमों को नुकसान होगा जो प्लेऑफ की दौड़ में शामिल हैं। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। खिताबी मुकाबला 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स ग्राउंड पर होगा। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने स्क्वॉड में शामिल अपने खिलाड़ियों को 26 मई तक वापस आने के निर्देश दिए हैं। ऐसा इसलिए ताकि खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। वैसे तो कुल 20 साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी जो आईपीएल 2025 में अलग-अलग टीमों के साथ जुड़े हैं। इनमें से 8 खिलाड़ी ऐसे हैं जो डब्ल्यूटीसी फाइनल स्क्वॉड का हिस्सा हैं। इनमें 2 खिलाड़ी मुंबई इंडियंस टीम में शामिल हैं।

आईपीएल 2025 का फाइनल मैच 25 मई को ईडन गार्डन्स में खेला जाना था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के बढ़ते विवाद के कारण टूर्नामेंट को स्थगित करना पड़ा। जिसके बाद अब फाइनल की तारीख 3 जून तय की गई है। जबकि इसके एक हफ्ते बाद ही डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू हो जाएगा। साउथ अफ्रीका के प्लेयर्स को 26 तारीख तक टीम के साथ जुड़ने के लिए कहा गया था ताकि 30 मई को इंग्लैंड रवाना होने से पहले उन्हें समय मिल सके।

मुख्यमंत्री ने 50 करोड़ 73 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

मप्र इकलौता राज्य, जहां तीन बड़ी नदी जोड़ों परियोजनाओं पर हो रहा काम

मुख्यमंत्री ने दिव्यगवां में भगवान बिरसा मुंडा महाविद्यालय भवन का किया लोकार्पण

जवा को नगर परिषद का दर्जा दिया जाएगा

बैकुंठपुर में शासकीय महाविद्यालय के नवीन भवन एवं चौखंडी में सांदीपनी विद्यालय प्रारंभ होगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि विकास के सभी कार्य पूर्ण संकल्प के साथ कराए जा रहे हैं। प्रदेश की धरती के एक-एक गांव में पानी की उपलब्धता के साथ ही हर घर को पीने का स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जा रहा है। नदियों के पानी का सदुपयोग किए जाने की कार्य योजना मूर्त रूप ले रही है। दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम प्रारंभ हो चुका है। तीसरी नदी जोड़ो परियोजना के लिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मध्यप्रदेश इकलौता राज्य है जहां तीन बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के जवा अंतर्गत दिव्यगवां में 6 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से बनाए गए भगवान बिरसा मुंडा महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 501 खेत तालाबों व 5 एकड़ में लगाए जाने वाले मुनगा वन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 50 करोड़ 73 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने घोषणा की कि बैकुंठपुर में शासकीय महाविद्यालय का नवीन भवन बनाया जाएगा तथा चौखंडी में सांदीपनी विद्यालय की स्थापना की जाएगी। उन्होंने जवा को नगर परिषद का दर्जा दिए जाने की घोषणा भी की। सिंचाई योजना के तहत विकासखंड जवा के ग्राम छतैनी, हरदोली, गहिलवार, बौसड़, दोंदर, लोहगढ़, बौसड़वा, जतरी कोटवा, डभौरा, अकोरिया, मगदौर तथा घूमन की कृषि भूमि को सिंचित योग्य बनाने के लिए नहरों से जोड़ने तथा चिन्हित स्थानों पर स्टाप डैम का निर्माण किए जाने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने संबोधन की शुरुआत अपना पंचेन का राम-राम से की। उन्होंने कहा कि रीवा के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में इंदौर, भोपाल जैसे महानगर की तरह एक बड़े कॉलेज की सुविधा उपलब्ध हो गई है। उन्होंने ने कहा कि उच्च शिक्षा को और बेहतर एवं गुणवत्तापरक बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी ताकत से काम कर रही है। उन्होंने हर्ष जताते हुए बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने दिव्यगवां में कॉलेज मंजूर किया था और आज उसी कॉलेज का वे बतौर मुख्यमंत्री लोकार्पण कर रहे हैं। इस कॉलेज में 3 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिसमें 80 प्रतिशत बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि आज लाड़ली बहना दिवस भी है और हमारे देश में बेटियों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने गरीब आदमी के लिए पक्का मकान, निशुल्क अनाज, बच्चों की शिक्षा-दीक्षा और जिस क्षेत्र में भी आगे जाना चाहें उसके लिए कोचिंग की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने लिए हमारी सरकार गौपालन को बढ़ावा दे रही है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना हम गौ पालकों को अनुदान देंगे। पशुपालकों को प्रोत्साहन देने के लिए अब गाय का दूध सरकार खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कामधेनु योजना में किसान 25 गाय से लेकर अधिकतम 200 गाय तक पाल सकते हैं। इसके लिए पात्र हितग्राहियों को 25 प्रतिशत तक का अनुदान भी सरकार देगी। उन्होंने कहा कि हमारे किसान फसल उत्पादन में अग्रणी हो चुके हैं। उन्हें फसल के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन में भी आगे लाना है। किसानों को खेती के साथ दूध का उत्पादन भी करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश की धरती पर एक-एक गांव में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने तय किया है कि प्रदेश में जहाँ-जहाँ भगवान श्रीराम के चरण पड़े हैं, वहाँ-वहाँ सरकार श्रीराम वन गमन पथ विकसित कर इन्हें तीर्थ क्षेत्र बनाएगी। इसी प्रकार जहाँ-जहाँ भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हुईं, वहाँ-वहाँ श्रीकृष्ण पाथेय बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट का भी विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमूह को विकास के लिए संकल्प दिलाते हुए कहा कि देश ने बीते दिनों में भारतीय सेनाओं का जो शौर्य और पराक्रम देखा है उससे पूरे देशवासी बेहद गौरवान्वित हैं। हमें हमारी सेनाओं और जवानों पर नाज है। उन्होंने कहा कि विन्ध्य के लिए यह गौरव की बात है जब देश की सेवा में थल सेना एवं नौसेना का नेतृत्व इसी अंचल के विभूतियों द्वारा किया जा रहा है और विंध्य के सफेद शेर की दहाड़ पाकिस्तान तक भी सुनाई दे रही है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि इस अंचल के लिए महाविद्यालय के नवीन भवन की स्थापना एक महत्वपूर्ण सौगात है। इसके बन जाने से उच्च शिक्षा सुगम हो सकेगी तथा बेटियों को पढ़ने के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सोन नदी के पानी से त्योंथर फ्लो के पूर्ण हो जाने पर यह क्षेत्र संपन्न हो जाएगा और यहां के किसान धरती से दौलत पैदा करेंगे। इससे पूर्व सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि इस क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या थी। अब जल जीवन मिशन के तहत घर-घर स्वच्छ पानी मिलेगा तथा सिंचाई योजनाओं से किसानों को सिंचाई की भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने डभौरा रेलवे स्टेशन के विकास की सौगात एवं सड़कों के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को साधुवाद दिया।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए सिरमौर विधायक श्री दिव्यराज सिंह ने कहा कि रीवा जिले के आखिरी छोर में स्थित दिव्यगवां को कॉलेज भवन का मिलना एक बहुत बड़ी सौगात है। इस महाविद्यालय में तीन हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। जिनमें से 80 प्रतिशत बेटियाँ हैं। उन्होंने जनमानस की तरफ से मुख्यमंत्री जी को इस सौगात के लिए साधुवाद दिया। विधायक श्री सिंह ने क्षेत्र की विभिन्न मांगों की ओर मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकृष्ट किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भगवान बिरसा मुंडा महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र अतुल सिंह को कुश्ती व नीतू पाल को शतरंज में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने महाविद्यालय भवन के लोकार्पण अवसर पर छात्राओं के साथ फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति, जिला भाजपा अध्यक्ष रीवा श्री वीरेंद्र गुप्ता जिला भाजपा अध्यक्ष मऊगंज डॉ राजेंद्र मिश्रा, महामंत्री श्री राजेश पांडेय, पूर्व विधायक श्री श्यामलाल द्विवेदी, श्री केपी त्रिपाठी सहित जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, डीआईजी राजेश सिंह, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जन समुदाय उपस्थित रहा।

सतना में दुर्घटनाग्रस्त यात्री बस में अज्ञात लोगों ने लगाई आग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के हटिया गांव में बुधवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हुई नंदिनी ट्रेवल्स की बस को गुरुवार तड़के किसी ने आग लगा दी, जिससे बस पूरी तरह जलकर राख हो गई।घटना से पहले आरटीओ ने बस की फिटनेस और परमिट रद्द कर दिया था। पुलिस आगजनी के कारणों की जांच कर रही है। बता दें कि, क्षेत्र के हटिया गांव के पास बुधवार देर शाम एक बस पलट गई थी। बास नंदिनी ट्रेवल्स की थी, जो जैतवारा की ओर जा रही थी तभी बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में 20 यात्री घायल हुए, जिसमें 10 की हालत गंभीर थी।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी और एक मोड़ पर चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे बस सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। घटना के वक्त बस में लगभग 50 यात्री सवार थे।

हादसा होते ही स्थानीय ग्रामीण सबसे पहले मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। कुछ यात्रियों को खिड़कियों और पीछे के हिस्से से बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर सिविल लाइन और जैतवारा थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस और निजी वाहनों की मदद से जिला अस्पताल सतना भेजा गया, जहां पहले से ही तहसीलदार और कोतवाली पुलिस टीम मौजूद थी।

अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है। 10 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से 4 को बेहतर इलाज के लिए रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घायलों में जिन यात्रियों को गंभीर चोटें आई उन्हें तत्काल सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इनमें मुन्नी वर्मा, सुकन्या दहिया, प्रेमलाल दहिया, शालू दहिया, रामसी दोहर, रामकृपाल सिंह, शशि सेन, करुण सेन और चंद्रशेखर कुशवाहा शामिल। इन सभी का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है। मामूली चोटों वाले यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

गुरुवार सुबह बस को किसी ने आग लगा दी। बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना से पहले क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बस की फिटनेस और परमिट रद्द कर दिया था। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आग किसने लगाई। कलेक्टर सतीश कुमार एस ने ड्राइवर का लाइसेंस और बस का परमिट रद्द करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिले में संचालित सभी यात्री बसों की तकनीकी जांच और कागजात की पड़ताल की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशासन की प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकना है।

सतना में गोवंश की हत्या, ग्रामीणों में आक्रोश, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नौखड़ खुर्द गांव में एक गोवंश की हत्या का मामला सामने आया है। अज्ञात लोगों ने गोवंश को पेड़ से बांधकर उसके कई अंग काट दिए। सूचना के बाद ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर आक्रोश जताया। पुलिस ने गोपालक की शिकायत पर अज्ञात आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है।

गोपालक छोटे अहिरवार ने बताया कि वह अपने गोवंश को घर से कुछ दूरी पर बांधता था। बुधवार रात दो से सुबह 6 बजे के बीच अज्ञात लोग गोवंश को वहां से ले गए। उन्होंने पेड़ से बांधकर गोवंश की हत्या कर दी। गोपालक ने बताया कि उसका किसी से कोई विवाद नहीं था।

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। जनपद सदस्य प्रतिनिधि उपेंद्र शुक्ला और शिवसैनिक दिलीप शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने गोवंश की समाधि बनाने और मूर्ति लगाने की मांग की है।

वहीं सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गोपालक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। रैगांव और सिंहपुर थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं पशु चिकित्सक ने गोवंश के शव का पीएम किया हैं।

दिव्यगवां में किया विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दिव्यगवां में 47 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपए के 5 कार्यों का लोकार्पण तथा 2 करोड़ 75 लाख 29 हजार रुपए के दो कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड द्वारा 6 करोड़ 17 लाख 82 हजार रुपए की लागत से बनाए गए शासकीय भगवान बिरसा मुण्डा महाविद्यालय भवन दिव्यगवां का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने 93 लाख 50 हजार रुपए की लागत से बनाए गए भगवान बिरसा मुण्डा सामुदायिक भवन तथा विधानसभा क्षेत्र मनगवां में राष्ट्रीय राजमार्ग से तिवनी जंक्शन पर बनाए गए सिक्स लेन ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया। इनकी लागत 14 करोड़ 85 लाख रुपए है। समारोह में मुख्यमंत्री ने 18 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से बनाए गए सिरमौर-क्योटी नवीन सड़क तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनाए गए 501 खेत तालाबों का लोकार्पण किया। इनकी लागत 7 करोड़ 50 लाख रुपए है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दो निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी किया। इनमें लोक निर्माण विभाग द्वारा एक करोड़ 39 लाख 29 हजार रुपए की लागत के हाईस्कूल भवन अतरैला तथा एक करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से बनाए जा रहे एसडीएम कार्यालय जवा का निर्माण कार्य शामिल है। साथ ही मुख्यमंत्री जी ने दिव्यगवां ग्राम में ही 5 एकड़ में प्रस्तावित मुनगा के वृक्षारोपण कार्य का भी शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री का रीवा आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव भोपाल से विमान द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल भी रीवा आए। रीवा एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ यादव का कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर के पहले वाटर पार्क का किया शुभारंभ

रीवा शहर को मिली एक और उपलब्धि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर के पहले वाटर पार्क का लोकार्पण किया। शहर के माध्यम से बीहर नदी के तट पर निर्मित ईको पार्क में वाटरपार्क के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले में रीवा के लोगों को घूमने के लिये कोई स्थान नहीं होता था अब इन स्थानों की कमी नहीं है। पार्क, सुंदर तालाबों के किनारे व वृक्षों से आच्छादित सुरम्य स्थानों में लोग सुकून के पल विता सकते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से विकास कर रहा है। अब बाहर से आने वाले अपने परिजनों को भी यहां के लोग रीवा के पर्यटन स्थल दिखाते व घुमाते हैं जिनकी वह प्रशंसा भी करते हैं। रीवा के विकास की प्रदेश स्तर में चर्चा होती है। नवनिर्मित जिला न्यायालय भवन व सर्किट हाउस भवन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की गई। वाटर पार्क भी रीवा के लिये बड़ी उपलब्धि है। अभी तक रीवा में इसकी कमी थी। रीवा के ह्मदय स्थल में निर्मित वाटरपार्क इस कमी को दूर करेगा। वाटर पार्क बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं में लोकप्रिय स्थान होता है। गर्मी में इसका विशेष आकर्षण होता है। अब रीवा वासी इसका आनंद उठायेंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक के.पी. त्रिपाठी, राजगोपाल मिश्रा चारी, डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, प्रदीप गौतम सुमन, विजय तिवारी, अनुज सिंह, रामपाल सिंह, प्रदीप त्रिपाठी सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर रेलवे का जश्न, निकाली गई तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह रेल कर्मचारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया। स्टेशन प्रबंधक अब्दुल मतीन के नेतृत्व में आरपीएफ, जीआरपी, ईएनडब्ल्यू, सीएनडब्ल्यू और इंजीनियरिंग सेक्शन के कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा निकाली।

यात्रा प्लेटफॉर्म नंबर एक से शुरू हुई। कर्मचारियों ने भारत माता की जय के नारे लगाते हुए प्लेटफॉर्म 2, रेलवे पार्किंग एरिया और रेलवे कॉलोनी का भ्रमण किया। यात्रा का समापन वापस प्लेटफॉर्म एक पर हुआ।

स्टेशन प्रबंधक ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के वीर जवानों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी गई। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन से हर भारतीय को गर्व महसूस हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान सभी कर्मचारियों को मिठाई भी बांटी गई।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।